आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 08 अगस्त 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 243
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

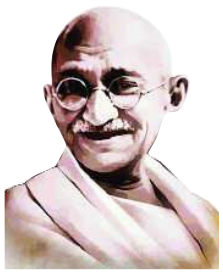

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

बादल छाते हैं, लेकिन बरसते नहीं..

पेज-2

खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में वापसी कर रही रुबीना

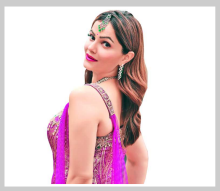

पेज-5

भवनों पर निगम ने लगाए चेतावनी वाले फ्लेक्स

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- ब्राह्मणों के BSP से जुड़ने से समाजवादी पार्टी विचलित, मायावती ने कहा- सर्वसमाज सावधान रहे
- खराब मौसम के चलते जम्मू से अमरनाथ यात्रा स्थगित, श्रद्धालुओं की संख्या में भी कमी
- हिमाचल के चंबा में बड़ा हादसा, बस के खाई में गिरने से 7 की मौत और कई घायल
- सलमान खान के घर के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी की अचानक तबीयत बिगड़ने से हुई मौत
- यूक्रेन की राजधानी कीव में कई जोरदार धमाके सुनाई दिए
- पीएम मोदी आज IIT दिल्ली के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे
- बहराइच : पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, एक गिरफ्तार
- भारत समेत 5 देशों पर 100% टैरिफ लगाएगा US! बिल पास
- शिकागो के एक फ्यूनरल होम में 50 से ज्यादा शव गलत तरीके से रखे हुए और सड़ते हुए पाए गए
- जेलेंस्की रूस के करीबी देश सर्बिया की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे
- होर्मुज को लेकर ओमान और ईरान के बीच जल्द समझौते की उम्मीद : अमेरिकी अधिकारी

राहुल का संदेश : इंदौर में सरकार के खिलाफ करे बड़ा प्रदर्शन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● दतिया विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर त्रिस्तरीय रणनीति पर काम करेगी। राहुल गांधी ने कांग्रेस को इंदौर में प्रदर्शन का संदेश दिया है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस की चुनावी रणनीति-दतिया विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद कांग्रेस बेहद उत्साहित है। आगामी मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने के लिए जीत के लिए त्रिस्तरीय फार्मूले पर काम करने की रणनीति बना रही है। इस रणनीति के तहत मुख्य रूप से स्थानीय मुद्दों पर जोर रहेगा। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी का मध्यप्रदेश कांग्रेस ने नेताओं के लिए मैसेज आया है। राहुल गांधी ने दो बातें मुख्य रुप से कहीं है।

उन्होने कहा है कि सत्ता में आना है तो स्थानीय मुद्दे उठाओ। राहुल ने ये भी कहा है कि जिस तरह से जीतू पटवारी के खिलाफ राज्य सरकार बदले की कार्रवाई कर रही है उसका ताकत से विरोध करो। इंदौर में एक बड़ा प्रदर्शन करने को कहा गया है। इस प्रदर्शन में राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, केंद्रीय नेतृत्व का संदेश साफ है कि परिवर्तन की भूख स्थानीय मुद्दों से ही मिटती है।

पॉलिटिकल अफेयर्स की बैठक में विरोध की रणनीति

राहुल ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ राज्य सरकार जिस प्रकार से बदले की कार्रवाई कर रही है, उसका भी राज्य इकाई जोरदार विरोध करे। इसके लिए इंदौर में जल्द ही एक बड़ा कार्यक्रम किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस के सूत्र ने बताया कि इन सभी रणनीतियों की रूपरेखा 11 अगस्त को भोपाल में प्रस्तावित राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) में तैयार की जाएगी, जिसमें पटवारी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, मध्यप्रदेश मामलों के प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

स्थानीय मुद्दों पर काम की रणनीति

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कांग्रेस ने आगामी विधानसभा सहित अन्य स्थानीय चुनावों के मद्देनजर राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय और स्थानीय मुद्दों पर काम करने की रणनीति बनाने का निर्णय लिया है लेकिन इनमें सबसे ज्यादा जोर स्थानीय मुद्दों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दतिया विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत के बाद, दिल्ली में कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के साथ प्रदेश के प्रमुख नेताओं की हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया, और तय हुआ कि अगर नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगम सहित अन्य स्थानीय मुद्दों पर जोर दिया जाए तो कांग्रेस को सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता।

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बताया कि दिल्ली की बैठक में इस बात पर भी चिंता जताई कि प्रदेश सरकार किस प्रकार से पटवारी को बदले की भावना से परेशान कर रही है।

महाकाल की शरण में मुख्यमंत्री...

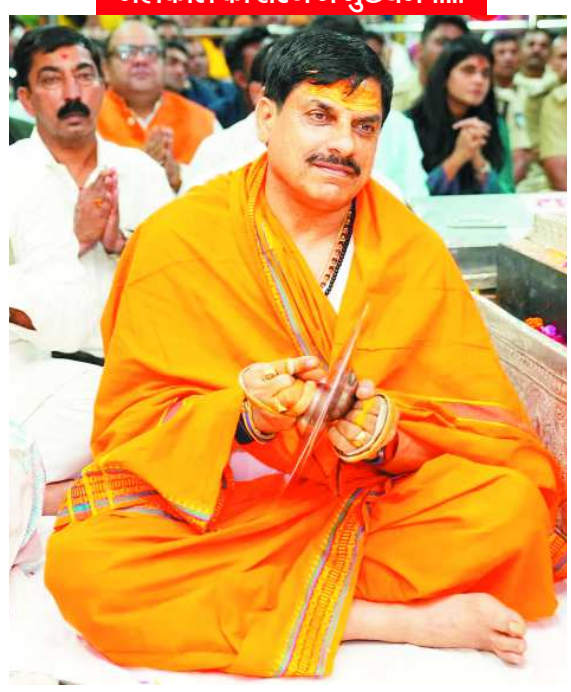

उज्जैन। वैसे तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में नियमित तौर पर दर्शन और अभिषेक करते हैं, किन्तु कल मोहन यादव महाकाल की शरण में भगवा वस्त्रों में भाव-भक्ति के अलग ही रंग में नजर आए।

दो संतान वाले नियम पर ब्यूरोक्रेसी का अड़ंगा

■ 25 साल पुराना नियम खत्म नहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश बेअसर; कैबिनेट को भी प्रस्ताव भेजने से ना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में दो से अधिक संतान होने पर सरकारी नौकरी नहीं मिलने और नौकरी छिनने से जुड़े करीब 25 साल पुराने प्रावधान को खत्म करने का मामला ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर अटक गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बावजूद सामान्य प्रशासन विभाग अब तक इससे संबंधित प्रस्ताव कैबिनेट में नहीं ला सका है।

पूर्व मुख्य सचिव अनुराग जैन के दिल्ली जाने के बाद यह भी सामने आया है कि उनके कार्यकाल में वरिष्ठ सचिव समिति की बैठक में इस नियम को खत्म करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी। हालांकि समिति ने प्रस्ताव को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके चलते मामला कैबिनेट तक नहीं पहुंच सका। प्रदेश में दो से अधिक संतान होने पर सरकारी नौकरी से रोकने वाले इस प्रावधान का कर्मचारी संगठनों की ओर से लगातार विरोध किया जाता रहा है। इसी के मद्देनजर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस प्रतिबंध को हटाने की बात कही थी। राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि यह नियम निरस्त किया जाएगा, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी इसे लागू नहीं होने देना चाहते।

लोन नहीं चुका पाए तो भी इज्जत पर नहीं आएगी आंच!

■ आरबीआई ने बदल दिए नियम, रिकवरी के नाम पर नहीं चलेगी गुंडागर्दी!

नई दिल्ली (एजेंसी) ● जिंदगी में कभी न कभी हर आम इंसान को कर्ज लेने की जरूरत पड़ ही जाती है। चाहे घर बनाना हो, गाड़ी लेनी हो या फिर कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए, लोन लेना आज हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है।

लेकिन असली परेशानी तब शुरू होती है जब किसी मजबूरी, जैसे नौकरी चले जाने या किसी गंभीर बीमारी के कारण आप समय पर अपनी ईएमआई नहीं चुका पाते। ऐसे मुश्किल वक्त में इंसान पहले ही भारी मानसिक तनाव से गुजर रहा होता है। ऊपर से लोन रिकवरी एजेंट का डरावना बर्ताव मुश्किलें कई गुना बढ़ा देता है। गालियां देना, मोहल्ले में बेइज्जत करना, दफ्तर आकर हंगामा करना या लगातार फोन करके धमकाना, ये सब अक्सर देखने को मिलता है। लेकिन अब इस खौफ से आजादी मिलने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लोन रिकवरी के नियमों में एक बहुत बड़ा बदलाव किया है। 1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले इन नए दिशा-निर्देशों ने साफ कर दिया है कि बैंक अपना पैसा वसूलने के लिए ग्राहकों को प्रताड़ित नहीं कर सकेंगे। ये नए नियम रेस्पॉन्सिबल बिजनेस कंडक्ट डायरेक्शंस, 2025 के पुराने नियमों की जगह लेंगे और वसूली के पूरे सिस्टम को पारदर्शी बनाएंगे।

भविष्य में अगर वह एजेंसी बदल जाती है या उसका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया जाता है, तो इसकी सूचना भी ग्राहक को देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, रिकवरी एजेंट को ग्राहक की केवल उतनी ही निजी जानकारी दी जाएगी, जितनी वसूली के काम के लिए जरूरी है। अगर किसी एजेंट ने आपके डाटा का गलत इस्तेमाल किया, तो बैंक पर भारी जुर्माना लगेगा। इतना ही नहीं, वसूली के काम में लगे हर एजेंट को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (IIBF) से बकायदा ट्रेनिंग लेनी होगी। बिना ट्रेनिंग के कोई भी उठकर वसूली करने नहीं आ सकेगा।

एजेंट की पूरी कुंडली देनी होगी

अब बैंक किसी भी बाहरी रिकवरी एजेंसी को मनमाने ढंग से आपके पीछे नहीं छोड़ सकते। रिजर्व बैंक का सीधा निर्देश है कि बैंकों को अपने कर्मचारियों के साथ-साथ बाहरी रिकवरी एजेंट के लिए एक सख्त आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट) लागू करनी होगी। अगर बैंक ने वसूली का काम किसी बाहरी एजेंसी को सौंपा है, तो बैंक को ग्राहक को पहले ही इसकी जानकारी देनी होगी कि कौन सी एजेंसी या एजेंट उनसे संपर्क करेगा।

दतिया में आशुतोष तिवारी बन सकते हैं जिलाध्यक्ष!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दतिया बीजेपी में सांगठनिक स्तर पर इस समय बहुत बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम चल रहा है। दतिया विधानसभा उपचुनाव के नतीजे आने के बाद से ही जिला संगठन में बड़े बदलावों की पटकथा लिखी जा चुकी है। गौरतलब है कि दतिया उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी की हार (6,000 से अधिक वोटों से) के तुरंत बाद, प्रदेश बीजेपी संगठन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए पूरी दतिया जिला इकाई और कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है।

नए अध्यक्ष की खोज : संगठन को पूरी तरह भंग किए जाने के बाद अब मध्य प्रदेश बीजेपी द्वारा नए जिलाध्यक्ष और नई कार्यकारिणी के चयन की प्रक्रिया बेहद तेज गति से शुरू कर दी गई है।

आशुतोष तिवारी के नाम की चर्चा क्यों?

विदित है कि चुनाव हारने के बाद आशुतोष तिवारी ने भोपाल स्थित प्रदेश बीजेपी कार्यालय पहुंचकर आलाकमान से मुलाकात की थी? उन्होंने खुलकर बयान दिया कि चुनाव में 'भीतरघात' (क्रॉस वोटिंग और संगठनात्मक असहयोग) हुआ है, जिसकी वजह से पार्टी हारी? राजनीतिक विश्लेषकों और सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी संगठन आशुतोष तिवारी को उनके समर्पण का इनाम देने और उनके राजनीतिक वजूद को बनाए रखने के लिए दतिया का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त कर सकता है। अगर उनके नाम पर मुहर लगती है, तो पूरी जिला कार्यकारिणी भी उनकी पसंद के नेताओं की बनेगी? इस उपचुनाव में बीजेपी ने कद्दावर नेता और पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारा था, जिससे स्थानीय स्तर पर काफी असंतोष देखा गया था। हार के बाद नरोत्तम मिश्रा स्वयं आशुतोष तिवारी के भोपाल निवास पर उनसे मिलने पहुंचे थे।

जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी नजरें

बीजेपी प्रदेश नेतृत्व ने दतिया में मिली हार और भीतरघात के आरोपों की बिंदुवार समीक्षा के लिए एक विशेष जांच समिति का गठन किया है। इस कमेटी की विस्तृत रिपोर्ट आना अभी बाकी है। माना जा रहा है कि इस रिपोर्ट के आने के बाद दतिया के कई बड़े स्थानीय नेताओं पर गाज गिर सकती है और उसके बाद ही नए जिलाध्यक्ष के नाम की आधिकारिक घोषणा आधिकारिक तौर पर की जाएगी।

प्रदेश के शहरों को 24 घंटे खुलने के लिए करना होगा इंतजार

गाइडलाइन के बाद तय होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के बड़े शहरों को 24 घंटे खोलने की राह अभी आसान नहीं है। इसे लेकर विधेयक विधानसभा में पास हो गया है, लेकिन सरकार ने आवासीय क्षेत्र में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए एक समिति बनाई है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और गाइडलाइन के हिसाब से नीति तैयार करेगी। इसके बाद अलग-अलग शहरों के हिसाब से गाइडलाइन जिला स्तर पर बनेगी। फिलहाल प्रदेश के किसी भी शहर में 24 घंटे बाजार खोलने की घोषणा नहीं है। इसमें लंबा समय लग सकता है। यह भी जरूरी नहीं कि सभी शहरों में बाजार 24 घंटे खुले रहें। दुकानों के बंद होने का समय बढ़ाया जा सकता है। अभी शहरों में 12 बजे से पहले दुकानें बंद करा दी जाती हैं। कुछ बड़े शहरों में रातभर मॉल, मल्टीप्लेक्स और बिजनेस सेंटर खुल सकते हैं।

फजीहत... सभी बड़े प्रोजेक्टों में देरी के चलते ठेकेदार और कंपनियां हुई परेशान

नगर निगम में हजारों करोड़ों के प्रोजेक्ट पर 'कमीशन' का साया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर... करोड़ों नहीं, बल्कि हजारों करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का केंद्र। लेकिन इन दिनों शहर में सड़कों, सीवर और पानी से ज्यादा एक शब्द चर्चा में है- 'कमीशन'। नगर निगम के गलियारों से लेकर ठेकेदारों की बैठकों तक, राजनीतिक चर्चाओं से लेकर आम लोगों की बातचीत तक एक ही सवाल बार-बार सुनाई दे रहा है- क्या विकास कार्य पूरी पारदर्शिता से हो रहे हैं या फिर विकास की आड़ में कोई ऐसा सिस्टम खड़ा हो चुका है, जिसके बिना कोई बड़ा काम आगे नहीं बढ़ता?

शहर में चर्चा है कि बड़े ठेके मिलने के बाद कुछ प्रभावशाली लोगों के जरिए कथित तौर पर संपर्क साधे जाते हैं। विपक्ष और कुछ राजनीतिक हलकों का दावा है कि फाइलों की गति, भुगतान और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लेकर एक समानांतर 'सिस्टम' काम करता है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन सवाल यह है कि यदि सब कुछ नियमों के अनुसार हो रहा है, तो फिर ऐसी चर्चाएं बार-बार क्यों उठ रही हैं? यही वजह है कि विपक्ष इस पूरे मामले को 'फूफा के कमीशन का खेल' बताकर सरकार और नगर निगम पर निशाना साध रहा है। कुछ ठेकेदारों और राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि जो लोग कथित व्यवस्था का हिस्सा बनने से इनकार करते हैं, उन्हें विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है। आरोप लगाए जाते हैं कि अचानक निरीक्षण, तकनीकी आपत्तियां, नोटिस और काम में देरी जैसी स्थितियां पैदा होती हैं।

इंदौर के एक बड़े नेता ने नाम फूफा रख दिया। उनका कहना है कि यार छोटी-मोटी बात पर नाराज हो जाते हैं घूमते रहते हैं कई कार्यक्रम कर लेते हैं ना उन कार्यक्रम में आता है और ना हमें बुलाते हैं। इसीलिए शादी में जिस तरीके से तूफान नाराज होते हैं, इस तरह से यह फूफा भी हमेशा नाराज नजर आते हैं। इसीलिए इन महाशय का नाम फूफा रखा गया है।

चार साल में संपत्तियों को लेकर भी सवाल

राजनीतिक गलियारों में एक और चर्चा लगातार सुनाई देती है कि पिछले कुछ वर्षों में कुछ लोगों की कथित आर्थिक हैसियत और संपत्तियों में आई तेजी। बेनामी निवेश, महंगी जमीनों के सौदे, व्यावसायिक हिस्सेदारी और आलीशान संपत्तियों को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।

हजारों करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट लेकिन सवाल भी उतने ही बड़े

इंदौर में इस समय सीवर लाइन, वाटर मैनेजमेंट, नर्मदा जल आपूर्ति, पाइपलाइन विस्तार और सोलर ऊर्जा जैसी कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

- **सीवर एवं वाटर मैनेजमेंट** - लगभग 306.80 करोड़ रुपये
- **नर्मदा जल आपूर्ति एवं पाइपलाइन** - लगभग 907.74 करोड़ रुपये
- **सोलर प्रोजेक्ट** - लगभग 227 करोड़ रुपये

यानी कुल मिलाकर 1400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं। यही वह रकम है, जिसके इर्द-गिर्द अब राजनीतिक आरोप और सवाल दोनों घूम रहे हैं। इधर खुद की पार्टी के ही लोग 'फूफा का खेला' बता रहा है, जबकि आधिकारिक तौर पर इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है।

जनता का पैसा, जनता के सवाल

जनता टैक्स इसलिए देती है कि शहर में बेहतर सड़कें बनें, पानी पहुंचे, सीवर व्यवस्था सुधरे और विकास दिखाई दे। लेकिन जब उन्हीं परियोजनाओं पर कमीशनखोरी की चर्चाएं शुरू हो जाती हैं, तब सवाल सिर्फ राजनीति का नहीं रहता, बल्कि जनता के भरोसे का भी बन जाता है। विपक्ष का आरोप है कि यह पूरा मामला 'फूफा का खेला' बन चुका है, जबकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

न्यूज ब्रीफ

रेंज रोवर ने रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा पेश किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेंज रोवर ने रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा को पेश किया है, जो रेंज रोवर की लक्ज़री और सर्वोच्च विशिष्टता है। उन्नत फिनिश को विश्व की पहली ऑडियो तकनीक के साथ जोड़ते हुए, एसवी अल्ट्रा अब तक बनाई गई सबसे लग्ज़रीयस और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत रेंज रोवर है। रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा में इमर्सिव ऑडियो तकनीकों की शृंखला में अब क्रांतिकारी एसवी इलेक्ट्रोस्टेटिक साउंड भी शामिल है, जो केबिन को एक कॉन्सर्ट हॉल में बदल देती है, साथ ही बॉडी एंड सोल सीट्स और सेंसरी हैप्टिक फ्लोर भी उपलब्ध हैं। एसवी इलेक्ट्रोस्टेटिक साउंड किसी वाहन में इलेक्ट्रोस्टेटिक ऑडियो तकनीक का विश्व का पहला अनुप्रयोग है।

रविवार को आयोजित होगा राखी किड्स बाज़ार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस रक्षाबंधन पर 5 से 15 वर्ष के बच्चों द्वारा बच्चों और परिवारों के लिए एक अनोखा उत्सव आयोजित किया जा रहा है। राखी किड्स बाज़ार रविवार 09 अगस्त को सुबह 11:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक श्याम पैलेस, फूटी कोठी, इंदौर में होगा और इसमें प्रवेश सभी आगंतुकों के लिए नि:शुल्क रहेगा। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देना है, ताकि वे आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ मंच पर अपनी पहचान बना सकें।

इंडोनेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे इंदौर के डॉ. चौहान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● केयर सीएचएल हॉस्पिटल, इंदौर के स्माइल ट्रेन क्लेफ्ट सेंटर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं वरिष्ठ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. जयदीप सिंह चौहान को इंडोनेशिया के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मेलनों में शामिल एसोसिएशन ऑफ इंडोनेशियन ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में क्लेफ्ट पैलेट रिकंस्ट्रक्शन इंस्ट्रक्टर और अंतरराष्ट्रीय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह सम्मेलन 13 से 15 अगस्त 2026 तक इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित होटल टेंट्रेम में आयोजित होगा। इस आयोजन में इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों के ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जन, शिक्षाविद, शोधकर्ता और प्रशिक्षु भाग लेंगे।

डीएवीवी के परिणामों पर असर : थ्योरी नहीं पढ़ रहे छात्र, 20 प्रतिशत की गिरावट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के ताजा परिणामों में भारी गिरावट सामने आई है। एनईपी के तहत लागू नए अध्यादेश 14 (1) के कारण कई पाठ्यक्रमों में पास प्रतिशत 60 प्रतिशत से गिरकर 35 से 40 प्रतिशत के चीच आ गया है। एलएलबी, एमबीए, बीए और बीएस सी जैसे कोर्स सबसे अधिक प्रभावित हुए है।

नए अध्यादेश 14 (1) का असर और 100 अंकों की सीधी परीक्षा: सूत्रों की माने तो इस बार परिणामों में आई गिरावट का मुख्य कारण एनईपी के तहत लागू किया गया नया अध्यादेश 14 (1) है। इस नए सिस्टम के तहत लगभग 5 विषय ऐसे हैं, जिनकी परीक्षा पूरे 100 अंकों की होती है और उनमें कोई इंटरनल एसेसमेंट के नंबर शामिल नहीं हैं। छात्रों को पास होने के लिए थ्योरी परीक्षा में 100 में से कम से कम 35 नंबर लाना अनिवार्य है। इंटरनल मार्क्स का सहारा न मिलने के कारण कई छात्र इस न्यूनतम अंक सीमा को भी हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके विपरीत, मेजर और माइनर विषयों में 70-30 की स्कीम (70 अंक थ्योरी 30 अंक इंटरनल) लागू है। इसमें छात्र इंटरनल में बेहतर स्कोर कर लेते हैं, जिससे उन्हें पास होने में आसानी होती है।

इन कोर्सेज में बिगड़ा प्रदर्शन: सूत्रों के अनुसार मुख्य रूप से 5 से 6 पाठ्यक्रमों के परिणामों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है। एलएलबी और बीएएलएलबी सेकंड सेमेस्टर, लॉ के परिणामों में गिरावट देखने को मिली है। एमबीए सेकंड सेमेस्टर में छात्रों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ है, जबकि चौथे सेमेस्टर का रिजल्ट बेहतर रहा। कला और विज्ञान (बीए और बीएससी) संकाय के प्रथम वर्ष में भी पास प्रतिशत लगभग 40 प्रतिशत के आसपास ही सिमट गया है। हालांकि बीकॉम के परिणाम तुलनात्मक रूप से बेहतर और संतोषजनक रहे हैं।

पिछड़ रहे हैं छात्र

विशेषज्ञों के अनुसार एमबीर और अन्य प्रोफेशनल कोर्सेज में जहां थ्योरी का हिस्सा छात्र हल कर लेते हैं, वहीं ऑपरेशन रिसर्च और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे प्रैक्टिकल व गणितीय विषयों में छात्र पिछड़ रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने और शिक्षकों के साथ संवाद बढ़ाने की सलाह दी है। पढ़ाई में लापरवाही और थ्योरी-मैथ्स की दोहरी चुनौती : सूत्रों की मानें तो छात्रों के कमजोर प्रदर्शन के पीछे क्लास अटेंड न करना और थ्योरी व गणितीय विषयों में पकड़ न होना भी मुख्य वजह है। हिंदी, अंग्रेजी और मल्टी डिसिप्लिनरी जैसे अनिवार्य थ्योरी विषयों में छात्र उत्तरों को विस्तार से नहीं लिख पा रहे हैं। ऑब्जेक्टिव और शॉर्ट क्वेश्चयन में तो छात्र नंबर ले आते हैं, लेकिन डिस्क्रिप्टिव उत्तरों में अंक कट रहे हैं।

एक सप्ताह में एक इंच भी बारिश नहीं हुई, उमस कर रही लोगों को बेहाल

बादल छाते हैं, लेकिन बरसते नहीं.. अगस्त का पहला सप्ताह रहा सूखा, झमाझम का इंतजार

शहर के अधिकांश इलाकों में महज बूंदाबांदी ही हो रही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर में अगस्त महीने की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। आसमान में हर दिन काले-घने बादल उमड़-घुमड़ रहे हैं, लेकिन बिना बरसे ही आगे निकल जाते हैं। लगातार बनती और बिगड़ती इस मौसमी स्थिति के कारण इंदौरवासियों को भारी निराशा हाथ लग रही है। जुलाई में कुछ दिन हुई अच्छी बारिश के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि अगस्त में शहर अच्छी बारिश देखने को मिलेगी, लेकिन इस महीने का पहला हफ्ता लगभग सूखा ही बीत गया है। अगस्त के पहले सप्ताह में 1 इंच बारिश भी नहीं हुई है। बारिश न होने और दिनभर बादलों की आवाजाही के

कारण हवा में नमी तो बढ़ गई है, लेकिन इससे उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया है। शहर का अधिकतम और न्यूनतम तापमान कभी सामान्य तो कभी ज्यादा दर्ज हो रहा है। काले घने बादलों के बावजूद शहर के अधिकांश इलाकों में महज बूंदाबांदी ही दर्ज हो रही है। शहर में टुकड़ों टुकड़ों में बारिश देखने को मिल रही है। शहर के एक कोना भीगता है तो दूसरा सूखा रहता है।

अब नए सिस्टम का इंतजार: मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में मजबूत मानसूनी सिस्टम सक्रिय न होने के कारण इंदौर को अब तक केवल स्थानीय बादलों से ही संतोष करना पड़ा है। स्थानीय नमी की वजह से बादल तो बन रहे हैं, लेकिन वे इतने मजबूत नहीं हैं कि शहर को सराबोर कर सकें। हालांकि, मौसम विभाग का अनुमान है कि मध्य प्रदेश के मध्य भाग में नया मानसूनी ट्रफ एक्टिव हो रहा है।

गैस लाइन ब्लास्ट केस में हाईकोर्ट में पेश हुए एसडीएम धनगर, मांगी माफी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के विजयनगर में 23 जून को अवंतिका गैस लाइन में हुए विस्फोट केस में शुक्रवार को एसडीएम घनश्याम धनगर हाईकोर्ट में पेश हुए। मामला हाईकोर्ट में पीड़ित के उपचार राशि देने में झूठा शपथपत्र पेश करने का था। इंदौर के विजयनगर इलाके के वार्ड 31 में गैस लाइन के ऊपर बोरिंग करने की कोशिश के दौरान विस्फोट हो गया था। इस हादसे में चार लोग झुलस गए थे। मामले में अधिवक्ता रितेश इनानी ने एमपी हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में जनहित याचिका लगाई थी। इसमें सभी घायलों का मुफ्त इलाज कराने की मांग की गई थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल झिनी झाला को इलाज के लिए अहमदाबाद के जायडस अस्पताल भेजा गया था। उनके इलाज का खर्च 15 लाख रुपए से ज्यादा हो चुका है। इसके बावजूद शासन की ओर से कोई भुगतान नहीं किया गया। इसके उलट एसडीएम घनश्याम धनगर ने हाईकोर्ट में शपथपत्र देकर बताया कि इलाज का भुगतान हो चुका है।

सड़क हादसे में फटी श्वासनली, जटिल सर्जरी कर केयर सीएचएल हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने युवक को दी नई जिंदगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोट लगने के बाद कई बार मरीज की जान बचा लेना ही बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ मामलों में सामान्य सांस और आवाज वापस दिलाना उससे भी मुश्किल होता है। ऐसा ही एक मामला केयर सीएचएल हॉस्पिटल में सामने आया, जहां सड़क हादसे में श्वासनली (ट्रेकिया/विंड पाइप) गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने वाले 20 वर्षीय युवक की जटिल सर्जरी कर उसकी सांस और आवाज दोनों को सुरक्षित बचाया गया। पोस्ट-ट्रॉमैटिक ट्रेकियल स्टेनोसिस (चोट के बाद श्वासनली का संकरा होना) का यह इंदौर में अपनी तरह का पहला सफल ऑपरेशन माना जा रहा है।

बंधन कॉन्ट्रा फंड का लक्ष्य बाज़ार की धारणा से परे अवसरों का लाभ उठाना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बंधन म्यूचुअल फंड ने आज बंधन कॉन्ट्रा फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह एक ओपन- एंडेड इक्विटी योजना है, जो विपरीत (कॉन्ट्रेरियन) निवेश रणनीति का अनुसरण करती है। इस फंड का उद्देश्य ऐसे मूलभूत रूप से मजबूत व्यवसायों की पहचान करना है, जो सेक्टर-स्तरीय चिंताओं, चक्रीय चुनौतियों, व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं या मौजूदा बाज़ार धारणा के कारण अस्थायी रूप से निवेशकों की पसंद से बाहर हों, लेकिन समय के साथ धारणा और मूलभूत कारकों में सुधार होने पर जिनके पुनर्मूल्यांकन (री-रेटिंग) की संभावना हो। न्यू फंड ऑफर सोमवार, 10 अगस्त को खुलेगा और सोमवार, 24 अगस्त को बंद होगा। बंधन कॉन्ट्रा फंड उन निवेशकों के लिए तैयार किया गया है जो एक अलग प्रकार की इक्विटी रणनीति चाहते हैं, जो पारंपरिक ग्रोथ और वैल्यू निवेश आवंटन का पूरक बन सके। यह फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिनका निवेश क्षितिज दीर्घकालिक है और जो बाज़ार के विभिन्न चक्रों के दौरान निवेशित रह सकते हैं, ताकि बदलते मूलभूत कारकों और बाज़ार की अक्षमताओं से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठा सकें।

देपालपुर का लापता नाबालिक चित्तौड़गढ़ के रेलवे स्टेशन से मिला

पुलिस की सक्रियता से 12 घंटे में तलाशा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● पुलिस की तत्परता से बुधवार को स्कूल की छुट्टी के बाद अचानक लापता हुए 13 वर्षीय बालक को महज 12 घंटे के भीतर पुलिस ने सकुशल तलाश लिया है। बालक के सुरक्षित घर लौटने पर परिजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने देपालपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को नाबालिक रुद्राक्ष पिता अखिलेश सोलंकी निवासी देपालपुर रोजाना की तरह स्कूल गया था, लेकिन छुट्टी होने के बाद जब वह काफी देर तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने चिंता करते

हुए अपने स्तर पर आसपास और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की। बालक का कोई अता-पता न चलने पर चिंतित परिजनों ने देपालपुर थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 260/2026 दर्ज कर जांच शुरू की।

देपालपुर थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल ने उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और बस मार्गों की जानकारी जुटाई। फुटेज में बालक गौतमपुरा की ओर जाने वाली बस में बैठता हुआ नजर आया, जिसके बाद पुलिस ने उस दिशा में तलाश तेज कर दी। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी अभियान चलाया गया। सघन तलाश और तकनीकी माध्यमों से सूचना मिली कि बालक राजस्थान के चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर देखा गया है। सूचना मिलते ही देपालपुर पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए कार्रवाई करते हुए चित्तौड़गढ़ पहुंचकर बालक को सुरक्षित देपालपुर लाया गया और आवश्यक वैधानिक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस सफल कार्रवाई में उप निरीक्षक दीपक कुमार बघेल, प्रधान आरक्षक सचिन हिंगणकर, आरक्षक दीपेंद्र, आरक्षक अमित तथा आरक्षक कृष्ण कुमार की मुख्य और सराहनीय भूमिका रही।

प्रबंध निदेशक ने किया बिजली सेवाओं का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने इंदौर एवं देवास जिले का भ्रमण कर बिजली सेवाओं संबंध में जानकारी ली। शुक्रवार को सिंह ने इंदौर ग्रामीण वृत्त अंतर्गत दूधिया बिजली वितरण केंद्र एवं 33/11 केवी सब स्टेशन का निरीक्षण किया, उन्होंने बिजली आपूर्ति की अवधि, अटल गृह ज्योति योजना, नए कनेक्शन, लोक सेवा गारंटी से जुड़े आवेदन, शिकायत निवारण इत्यादि विषयों पर विस्तार से जानकारी ली। श्री सिंह ने शासन के नियमानुसार समय पर कार्य के लिए निर्देशित किया। श्री सिंह ने देवास जिले के डबलचौकी पहुंचकर बिजली सेवाओं को लेकर जानकारी ली।

मेनारिया ब्राह्मण समाज ने निकाली सामाजिक एकता ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री मेनारिया ब्राह्मण समाज (52 श्रेणी) द्वारा सामाजिक एकता एवं धार्मिक आस्था को समर्पित सामाजिक एकता ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों सहित लगभग 200 श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समाजजन तीन बसों, कारों एवं अन्य चारपहिया वाहनों से ओंकारेश्वर पहुंचे। यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं ने भगवान श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन कर समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की।

परिचय सम्मेलन की तैयारियों पर विचार मंथन आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र वैश्य महासम्मेलन द्वारा 25 से अधिक वैश्य समाजों के 30 वर्ष से अधिक आयु और उच्च शिक्षित विवाह योग्य प्रत्याशियों के लिए रविवार 27 सितम्बर को रवीन्द्र नाट्य गृह में हो रहे परिचय सम्मेलन की तैयारियों पर विचार मंथन के लिए समाजसेवी एवं वैश्य परिचय सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष दिनेश मित्तल की अध्यक्षता में शनिवार 8 अगस्त को शाम 7 बजे मल्हारगंज थाने के पास स्थित फतेहपुरिया समाज भवन पर आवश्यक बैठक रखी गई है जिसमें शहर के सभी प्रमुख वैश्य घटकों के पदाधिकारी शामिल होंगे। इस अवसर पर परिचय सम्मेलन के व्यवस्थित संचालन हेतु विभिन्न व्यवस्था समितियों का गठन भी किया जाएगा। रवीन्द्र नाट्यगृह में 27 सितम्बर को सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होने वाले इस परिचय सम्मेलन के लिए प्रविष्ठी पत्र देश के सभी प्रमुख शहरों एवं अन्य वैश्य घटकों के कार्यालयों पर उपलब्ध हो सकेंगे।

50 करोड़ की लागत से होगा यशवंत क्लब का विकास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● यशवंत क्लब में खेलकूद की गतिविधियों के विस्तार की महती योजना तैयार की गई है। लगभग 50 करोड़ रूपयों की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ अगले माह से होगा। यह जानकारी स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के 'रूबरू' कार्यक्रम में यशवंत क्लब के चेयरमैन जितेंद्र जैन ने दी। उन्होंने बताया कि 92 वर्ष पूराने यशवंत क्लब में नए मास्टर प्लान को स्वीकृति प्रदान की गई है

जिसके अंतर्गत 50 करोड़ की लागत से खेलकूद और अन्य ववविकास कार्यो को अंजाम दिया जायेगा।

बाणेश्वरी कावड़ यात्रा ने पूरे शहर को बनाया शिवमय, सुबह से शाम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बाणेश्वरी कावड़ यात्रा ने शुक्रवार सुबह से शाम तक शहर के मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र को शिवमय बनाए रखा। श्रद्धा और आस्था से लबरेज तीन हजार से अधिक कावड़ियों का जोश देखते ही बन रहा था। यात्रा के साथ चल रही पांच प्रमुख झांकियां तो आकर्षण का केन्द्र बनी ही, जगह-जगह स्वागत मंचों से हुई पुष्प वर्षा ने भी इस यात्रा को आत्मीयता के रंग में सराबोर बनाए रखा। बैंडबाजों और ढोल-नगाड़ों की सुर एवं स्वर लहरियों पर नाचते-थिरकते श्रद्धालुओं ने युवा कावड़ियों का जोश और उत्साह पूरे समय बनाए रखा। राज्य के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, भाजपा के प्रदेश

उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, पूर्व पार्षद राजेंद्र शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा सहित विधानसभा क्षेत्र क्रमांक तीन के सभी पार्षदों, मंडल अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ताओं एवं अन्य पार्षदों ने भी स्वागत मंच लगाकर, यात्रा में शामिल हुए होकर कावड़ उठाने का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

बेटमा के शासकीय स्कूलों में कमरों की कमी को लेकर दिया ज्ञापन

कन्या विद्यालय में 705 छात्राओं के लिए मात्र 7 कमरे, बालक विद्यालय में भी पर्याप्त कक्ष नही

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

बेटमा नगर के शासकीय कन्या एवं बालक हायर सेकेंडरी विद्यालयों में कमरों की कमी को लेकर स्थानीय नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दोनों विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कर विद्यार्थियों को पर्याप्त शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया गया कि शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय बेटमा में करीब 705 छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि विद्यालय में मात्र 7 कमरे उपलब्ध हैं। ऐसे में एक कमरे में बड़ी संख्या में छात्राओं को बैठाकर

पढ़ाना पड़ रहा है, जिससे विद्यार्थियों को परेशानी होने के साथ-साथ पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

इसी प्रकार शासकीय बालक हायर सेकेंडरी विद्यालय में करीब 650 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि वहां भी कमरों की संख्या विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। ज्ञापन में बताया गया कि दोनों विद्यालय एक ही परिसर में संचालित हो रहे हैं और विद्यार्थियों को अलग-अलग व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त कक्षों की आवश्यकता है।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि दोनों विद्यालयों में शीघ्र अतिरिक्त कक्षों का निर्माण एवं कमरों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि छात्र-छात्राओं को बैठने एवं अध्ययन के लिए पर्याप्त स्थान मिल सके। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष महेश सिंह हाडा, मंडल अध्यक्ष भुवान सिंह पंवार, जिला प्रवक्ता और कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान, वैष्णव बैरागी समाज प्रदेश अध्यक्ष यदुनंदन वैष्णव, बेटमा नगर उपाध्यक्ष करणी सेना परिवार विनोद सिंह पंवार, पिंटू दरबार, वीरेंद्र मंडलोई, आकाश पटेल, दिलीप प्रजापत, लव बैरागी, संजय यादव सहित कई लोग शामिल हुवे। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो बेटमा एवं आसपास के ग्रामीणों को साथ लेकर चक्काजाम एवं अधिकारियों के घेराव सहित आंदोलन किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 08 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

हवा बंगला स्थित नीम वाले साईं धाम पर जुटे सैकड़ों साईं भक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हवा बंगला स्थित नीमा वाले साईधाम, बारह ज्योतिर्लिंग मंदिर पर साईं बाबा का महाभिषेक कर आकर्षक फुल बंगला श्रृंगारित किया गया। शहर के सैकड़ों साईं भक्तों ने इस मौके पर शहर में सुखद वर्षा की प्रार्थना के साथ ही समाज में सुख, शांति और सदभाव के लिए भी मनुहार लगाई। बाबा के जयघोष के बीच उनका पुष्प बंगला श्रृंगारित कर महाभिषेक एवं महाआरती भी की गई। केन्द्रीय साईं सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक की विशेष उपस्थिति में साईं बाबा को साईं धाम मन्दिर के अध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी, रणजीत वर्मा, रमेश मोहर, पवन वर्मा, राकेश सुरागे, उमेश शर्मा आदि ने विद्युत एवं पुष्प सज्जा से श्रृंगारित किया।

वनकर्मियों पर सीधे नहीं होगी एफआईआर ड्यूटी में गोली चलाने पर पहले होगी मजिस्ट्रियल जांच

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश में अब वन और वन्यजीवों की सुरक्षा के दौरान गोली चलाने वाले वनकर्मियों पर सीधे आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने शुक्रवार को इसके लिए नई अधिसूचना जारी की है। अब यह पहले जांच होगी कि वनकर्मी ने हथियार का इस्तेमाल जरूरी, उचित परिस्थितियों में और ड्यूटी के दौरान किया था या नहीं। यदि जांच में हथियार का इस्तेमाल अनावश्यक, अनुचित या दुर्भावना से किया जाना साबित नहीं होता, तो वनकर्मी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं होगी। वहीं, जांच में गलती सामने आने और राज्य सरकार द्वारा जांच रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के बाद ही पुलिस आपराधिक कार्रवाई या गिरफ्तारी कर सकेगी। हथियार चलाने की हर घटना की जांच उस क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र वाले कार्यपालिक दंडाधिकारी (एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट) द्वारा कराई जाएगी। जांच में यह देखा जाएगा कि वनकर्मी ने किन परिस्थितियों में हथियार चलाया और उसका इस्तेमाल जरूरी तथा उचित था या नहीं।

मॉडल स्कूल के प्राचार्य के समर्थन में आए स्टूडेंट्स

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● मॉडल स्कूल सरदारपुर के विद्यार्थियों ने मंगलवार को प्राचार्य के समर्थन में नगर में रैली निकाली। छात्र एसडीएम कार्यालय पहुंचे और करीब एक घंटे तक धरना दिया। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की समझाइश के बाद एसडीएम के आश्वासन पर छात्र वापस स्कूल लौटे। विद्यार्थी मॉडल स्कूल के प्राचार्य कामेश सतपुड़ा के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे। छात्रों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा प्राचार्य के खिलाफ झूठे और निराधार आरोप लगाए गए हैं, जिनसे विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है और प्राचार्य की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है। विद्यार्थियों ने मांग की कि यदि जांच में आरोप असत्य पाए जाएं, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। छात्रों ने स्पष्ट किया कि कामेश सतपुड़ा ही उनके स्कूल के प्राचार्य बने रहें।

भोपाल में एक लाख प्रॉपर्टी पर ताला डलने का खतरा

भोपाल (एजेंसी) ● अपने घर से ब्यूटी पार्लर, किराना दुकान, कोचिंग सेंटर, बुटीक, क्लिनिक या कोई अन्य कमर्शियल एक्टिविटि कर रखी है, तो सावधान हो जाइए। नगर निगम ऐसे सभी मकानों का सर्वे कराने जा रहा है। शुरुआती आकलन के मुताबिक शहर में करीब 1 लाख ऐसी प्रॉपर्टी हैं, जहां रिहाइशी मकानों का कमर्शियल उपयोग हो रहा है। जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर नोटिस जारी होंगे। कार्रवाई नहीं करने वालों की प्रॉपर्टी सील हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। नगर निगम को 15 सितंबर तक सुप्रीम कोर्ट में कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। इसके लिए भोपाल को 21 जोन में बांटकर विशेष सर्वे दल गठित किए गए हैं। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने सर्वे टीमों का गठन कर दिया है।

ये टीमें हर जोन में गली-मोहल्लों से लेकर बड़ी कॉलोनियों तक उन रिहाइशी भवनों की जांच करेंगी, जहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर एवं कॉलोनी सेल प्रभारी भुवन गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक सर्वे रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की थी।

अब पूरे शहर में सर्वे के लिए टीमें बना दी गई हैं। वाटर बॉडी और ग्रीन बेल्ट एरिया में भी सर्वे होगा। नगर निगम प्रॉपर्टी टैक्स रिकॉर्ड, सड़क की चौड़ाई और भवन के उपयोग का मिलान कर वास्तविक स्थिति का सत्यापन करेगा। नगर निगम ने 10 से 15

दिनों में सर्वे पूरा करने का लक्ष्य रखा है। जहां नियमों का उल्लंघन मिलेगा, संबंधित संपत्ति मालिक को मौके पर ही नोटिस दिया जाएगा। निगम का अनुमान है कि करीब एक लाख नोटिस जारी हो सकते हैं। निगम के रिकॉर्ड में करीब 65 हजार व्यावसायिक संपत्तियां पंजीकृत हैं। वहीं, हजारों ऐसे मकान हैं जहां व्यवसाय चल रहा है, लेकिन व्यावसायिक कर जमा नहीं किया जा रहा और उपयोग परिवर्तन की अनुमति भी नहीं ली गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई जारी रखने को कहा

5 अगस्त की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से दुकान संचालकों को मिले सभी अंतरिम राहत आदेश (स्टे) निरस्त कर दिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसके निर्देशों के समानांतर कोई दूसरी जांच प्रक्रिया या समिति कार्रवाई में बाधा नहीं बन सकती। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश पक्ष पर नाराजगी जताई और कहा कि अवैध निर्माण तथा रिहाइशी भवनों के व्यावसायिक उपयोग के मामलों में कानून का सख्ती से पालन कराया जाए। इसके बाद नगर निगम ने शहर में व्यापक सर्वे और कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

सर्वे के बाद सीलिंग तय

एक्सपर्ट का कहना है कि सर्वे और कोर्ट में रिपोर्ट पेश होने के बाद सीलिंग की कार्रवाई होना तय है। हालांकि, सरकार तीन पहलुओं पर काम करे तो व्यापारियों को राहत मिल सकती है।

साल 2005 में लागू हुआ था मास्टर प्लान

भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने बताया कि भोपाल विकास योजना (मास्टर प्लान) का अंतिम प्रकाशन वर्ष 2005 में हुआ था। इसके बाद नया मास्टर प्लान आज तक लागू नहीं हुआ है। इस वजह से शहर के कई क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों के अनुरूप पर्याप्त कमर्शियल भूखंड उपलब्ध नहीं हो पाए हैं। ऐसे में हजारों व्यापारी वर्षों से आवासीय भूखंडों से ही व्यवसाय चला रहे हैं। इन क्षेत्रों में अस्पताल, बैंक, क्लीनिक, शोरूम एवं अन्य सेवा प्रदाता संस्थान वर्षों से संचालित होकर नागरिकों को जरूरी सुविधाएं दे रहे हैं। सभी व्यवसायी नगर निगम को व्यावसायिक दर से संपत्ति कर, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी को कमर्शियल दर से विद्युत शुल्क और शासन द्वारा निर्धारित अन्य करों एवं शुल्कों का नियमित भुगतान कर रहे हैं। इससे शासन को करोड़ों रुपए का राजस्व मिल रहा है।

सेवानिवृत् अधिकारी/ कर्मचारी पेन्शनर महासंध द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी ज्ञापन दिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सेवानिवृत कर्मचारीयों की विभिन्न समस्याओं की लेकर जिला शिक्षा अधिकारी इन्दौर शोर्य मल्होत्रा को ज्ञापन दिया गया जिसमें चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान , डीए, एरियर , अवकाश नगदी करण एवं 30 जून को सेवानिवृत शिक्षको का पुन: वेतन निर्धारण कर पुनरीक्षित पी.थी .ओं . जारी करने सहित अन्य कई माँगों लेकर ज्ञापन दिया तथा सौहाद्र पूर्ण अन्य विषयों चर्चा हुई जिस पर मल्होत्रा ने शिध्र निराकरण करने का विश्वाश दिलाया है। इस अवसर पर महासंघ के पदाकारियों द्वारा एक सप्ताह में निकरण न होने की दशा में संघ द्वारा क्रमिक भूख हड़ताल की जावेगी इस अवसर पर मोहन कुमार त्रिपाठी, जगदीश सोनी 'एम.डी. यादव, राकेशकुमार वर्मा, अशोक चौकसे,बसंत बड़जात्या कैलाश चन्द्र दुबे, नरेन्द्रसिंह चौहान, अनिल नायडू,प्रमोद दुबे, खोवाल नरेन्द्र व अन्य साथी गण उपस्थित रहे ।

तेल कारोबारी की 19.44 करोड़ की संपत्ति कुर्क

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● मथुरा पुलिस ने देवास निवासी तेल कारोबारी अशोक जैन की करीब 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की है। यह कार्रवाई रिफाइनरी पाइपलाइन से तेल चोरी के तीन साल पुराने मामले में की गई। कार्रवाई बुधवार को हुई थी, जिसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। मथुरा पुलिस की टीम बुधवार को देवास पहुंची थी। सोनकच्छ प्रशासन के सहयोग से टीम ने सोनकच्छ तहसील की जमीनों और एक पेट्रोल पंप को सील किया। कुर्क की गई संपत्तियों पर मथुरा जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का बोर्ड लगाया गया। संबंधित गांवों में मुनादी भी कराई गई।

डीपीएस निपानिया में विद्यार्थियों को दी गई ड्रग्स की सच्चाई की जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कल्पना शर्मा ने आज डीपीएस निपानिया, इंदौर में विद्यार्थियों के लिए नशा जागरूकता सेमिनार आयोजित किया। कल्पना शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पीयर प्रेशर, दोस्तों के बहकावे, सोशल ट्रेंड या 'कूल' दिखने की चाह में कभी भी नशे की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। उन्होंने ड्रग्स के शरीर, मस्तिष्क, शिक्षा, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए कहा कि 'नशे के मामले में रोकथाम ही सबसे प्रभावी उपचार है।' उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि किसी भी निर्णय से पहले तथ्यों को जानें और अपने जीवन का निर्णय स्वयं लें। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, अनेक प्रश्न पूछे और कल्पना शर्मा के साथ उनका संवाद अत्यंत प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने नशामुक्त जीवन की शपथ ली तथा उस पर हस्ताक्षर किए।

9 अगस्त को रेवती रेंज पर होगा वृहद 51000 पौधारोपण कार्यक्रम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुरुवार को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 9 अगस्त रविवार को होने वाले वृहद वृक्षारोपण को लेकर एक पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि रेवती रेंज पर यह मनुष्य के द्वारा बनाया गया जंगल है क्योंकि जंगल हमेशा प्राकृतिक होते हैं। इसके एक-एक पेड़ को इंदौर की जनता ने रोपा है और मुझे गर्व है कि सभी वृक्ष जिंदा हैं। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दो साल पहले जब 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान के तहत रेवती रेंज की इस पहाड़ी पर पौधारोपण किया था, तब यह पथरीली पहाड़ी थी। आज इंदौर की जनता के परिश्रम और आप सभी के सहयोग से यहां चारों ओर हरियाली दिखाई दे रही है। यहां पर 12 लाख 40 हजार पेड़ लगे हुए हैं। यहां पर रोपे गए पौधों को पेड़ बनाने का श्रेय नगर निगम और विशेषकर जनकार्य समिति अध्यक्ष राजेंद्र राठौड़ को जाता है। वृक्षारोपण के बाद राजेंद्र ने काफी समय इन पौधों को देकर उन्हे जीवित रखा और वृक्ष बनाया। मैं भी महीने में दो-चार बार यहा पर आता हूं और यदि कोई आवश्यकता महसूस होती है तो उसको पूरा करते हैं। यहां पर लोग पिकनिक मनाने के लिए आएंगे इसलिए हमने आशा सोसाइटी, जो हमारे परिवार का एनजीओ है, उसके माध्यम से हमने यहां पर हाल बनाया है, जहां पर लोग पिकनिक से लेकर जन्मदिन की पार्टी तक मना सकते हैं, खाना बना सकते हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इंदौर का नाम है अभी एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लोग भी यहां पर आ रहे हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भारत के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शुक्रवार को उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन एवं पूजन-अर्चन किए।इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह तथा प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक द्वारा माननीय मुख्य न्यायाधीश का सम्मान किया गया। उन्हें बाबा महाकाल का प्रसाद एवं स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। साथ ही, संभागायुक्त आशीष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा भी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार प्रदेशभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने वाले दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। हाल ही में बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ घी ब्रांडों के नमूने अमानक स्तर के पाए जाने के बाद संबंधित ब्रांडों के विरुद्ध विशेष नमूना कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे। कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में गत 6 अगस्त को खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने विक्टर हाउस-1, गोल्डन पैलेस कॉलोनी, ए.बी. रोड स्थित पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड के डिपो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यहां पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड, पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा निर्मित गोवर्धन ब्रांड घी का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठान पूरे मध्यप्रदेश में गोवर्धन ब्रांड घी की आपूर्ति करने वाला कंपनी डिपो है।

शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किला भवन, इंदौर, में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन के गृह विज्ञान विभाग एवं रेड क्रॉस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एवं स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती का पूजन कर किया गया । कार्यक्रम दो सत्र में संपन्न हुआ । प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने छात्रों को आशीर्वचन प्रदान किया एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी ने पारंपरिक परिधान में माहेश्वरी साड़ी का उल्लेख करते हुए बताया कि मां अहिल्या द्वारा इसकी स्थापना की गई। विशेष व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. रीतिबाला भोर ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर प्रकाश डालते हुए इसके इतिहास और हथकरघा दिवस मनाने के उद्देश्य को बताया, साथ ही भारत की परंपरागत साड़ियों का परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं को बताया और कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों से संकल्प कराया कि वे हथकरघा के उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करें, बुनकरों का सम्मान करें और भारत की पारंपरिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाएं । छात्राओं द्वारा पारंपरिक साड़ियों के पोस्टर तैयार किए गए।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. स्वाती शिंदे ने स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्रदान की विशेषत: डायबिटीज, बीपी और हार्ट अटैक के कारणों पर प्रकाश डाला तथा स्वस्थ जीवन शैली जीने हेतु सभी को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए सही आहार, नियमित व्यायाम एवं पर्याप्त नींद आवश्यक है तथा बीमारी होने से पहले ही सतर्क रहना चाहिए एवं समय-समय पर शारीरिक परीक्षण कराते रहना चाहिए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

संसद में गतिरोध के बीच जवाबदेही से क्यों बच रही सरकार? नीट विवाद पर विपक्ष के सवाल

यह स्थिति तब है, जब राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी गुरुवार को संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू से कहा कि वे गृहमंत्री को सदन में बुलाने के अनुरोध पर विचार करें। पिछले कई दिनों से संसद में जिस तरह का गतिरोध कायम है, दोनों सदनों को बार-बार स्थगित करने की नौबत सामने आ रही है, उसका हल निकालने को लेकर औपचारिक बयानों के अलावा सरकार की ओर से कोई गंभीर कोशिश होती नहीं दिख रही है। सवाल यह है कि अगर एक ही मुद्दे, यानी नीट प्रश्नपत्र लीक पर विरोध जताने वाले प्रदर्शनकारियों के प्रति पुलिस के बेलगाम रवैये पर विपक्षी दल जवाबदेही स्पष्ट करने की मांग कर रहे हैं, तो इससे किस तरह की आपत्ति हो सकती है। यह सही है कि प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर विरोध का दायरा व्यापक होते जाने के बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आखिर इस्तीफा दिया। मगर इस मसले पर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों पर दिल्ली पुलिस ने जिस तरह बेरहमी से लाठीचार्ज किया, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को चोट पहुंची, उसके लिए विपक्षी दल संसद में गृहमंत्री से जवाब की मांग कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस संदर्भ में सरकार की ओर से जिस तरह विपक्ष की इस मांग को प्रकारांतर से खारिज किया जा रहा है, वह साफ तौर पर जवाबदेही से बचने की ही कोशिश है! यह स्थिति तब है, जब राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी गुरुवार को संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू से कहा कि वे गृहमंत्री को सदन में बुलाने के अनुरोध पर विचार करें। मगर इस संदर्भ में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन को सरकार की ओर से 'ड्रामा' बताया गया। सवाल है कि इस तरह का रुख रखते हुए सरकार क्या यह दावा करने की स्थिति में है कि वह किसी भी मुद्दे पर उठे विवाद का हल संवाद या बातचीत के जरिए निकालने को तैयार है! कहने को किरेन रिजीजू ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत करके समर्थन मांगा, लेकिन वहां भी प्रस्तावित विधेयकों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग पर सहमति नहीं बन पा रही है। सरकार अगर किसी भी मुद्दे पर विपक्षी दलों की उपेक्षा कर या उनकी राय को दरकिनार कर एकतरफा तौर पर अपनी मर्जी के मुताबिक कोई हल निकालने के बारे में सोच रही है, तो इसे कैसे देखा जाएगा? एक तरफ सरकार अपनी सुविधा से संवाद का स्वरूप तय करना चाहती है या फिर इसकी जरूरत को गैर-महत्त्वपूर्ण मानती है, दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत स्पष्ट तौर पर बातचीत करने को ही प्राथमिक और लोकतंत्र का तकाजा मानते हैं।

बदलता संघ और बदलता युवाः संघ प्रमुख मोहन भागवत का 'जेन-जी' के नाम संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परंपरा, अनुशासन और प्राचीन मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समकालीन युवा पीढ़ी—जिन्हें 'जेन-जी' और 'जेन-अल्फा' कहा जाता है—के पक्ष में खुलकर खड़े होते हैं, तो यह भारतीय विमर्श में एक युगांतरकारी मोड़ का संकेत है। हाल ही में संघ प्रमुख ने जिस बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ युवाओं की सोच, उनके अधिकारों, उनके विरोध प्रदर्शनों और उनकी देशभक्ति का समर्थन किया है, उसने देश के नीति-निर्माताओं और पुरानी पीढ़ी को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है । यह संदेश दर्शाता है कि संघ समय के साथ न केवल बदल रहा है, बल्कि नए भारत की नई सोच को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। डिजिटल बदलावों और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच यह संदेश राष्ट्र निर्माण की एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

अमूमन हर दौर में पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी से शिकायतें रही हैं। आज भी अक्सर 'जेन-जी' को लेकर यह धारणा बनाई जाती है कि वे रील्स और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में खोए हुए हैं, वे एकाग्रता की कमी से जूझ रहे हैं और अपनी संस्कृति से दूर जा रहे हैं। लेकिन डॉ. मोहन भागवत ने इन तमाम रूढ़िवादिता को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज की युवा पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार, पारदर्शी, जागरूक और देशभक्त है।

संघ प्रमुख का यह कहना कि वे 'नई पीढ़ी पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं,' एक बहुत बड़ा वक्तव्य है । यह भरोसा इस समझ से उपजा है कि आज का युवा पाखंड को पसंद नहीं करता। वह जो सोचता है, वही बोलता है; उसकी कथनी और करनी में दिखावा नहीं होता। उनकी देशभक्ति किसी प्रदर्शनकारी राष्ट्रवाद का हिस्सा नहीं है, बल्कि देश को आंतरिक रूप से मजबूत और अधिक न्यायसंगत बनाने की उनकी स्वाभाविक इच्छा से प्रेरित है। जब देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन युवाओं की इस प्रामाणिकता को मान्यता देता है, तो यह युवाओं के आत्मविश्वास को एक नई उड़ान देता है और पुरानी पीढ़ी के संशय को दूर करता है।

इस संदेश का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चा में रहने वाला हिस्सा वह था, जहां डॉ. भागवत ने युवाओं के विरोध प्रदर्शनों और उनके अधिकारों की बात की । पिछले कुछ वर्षों में देश ने विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के उग्र आंदोलन देखे हैं। दुर्भाग्यवश, कई बार ऐसे आंदोलनों को फौरन दबाने या उन्हें 'देश-विरोधी' या 'गुमराह' बताने की कोशिशें की जाती रही हैं। लेकिन सरसंघचालक ने इस पर बेहद परिपक्व और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण रखा ।

उन्होंने साफ किया कि व्यवस्था, सरकारी नीतियों या किसी घटना के खिलाफ आवाज उठाना और विरोध प्रदर्शन करना युवाओं का लोकतांत्रिक अधिकार है । युवाओं का गुस्सा व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुधारने, पारदर्शी बनाने और अधिक जवाबदेह देखने के लिए होता है। किसी आंदोलन में शामिल होने मात्र से कोई युवा देश-विरोधी नहीं हो जाता । यह बयान उन ताकतों के लिए एक कड़ा सबक है जो हर असहमति की आवाज को दबा देना चाहती हैं। लोकतंत्र की असली ताकत निरंतर संवाद में है, दमन में नहीं, और युवाओं का विरोध इसी स्वस्थ संवाद की मांग करता है। आज का युवा सूचना क्रांति के उस दौर में जी रहा है जहां दुनिया भर का ज्ञान उसकी उंगलियों पर है। वह किसी भी बात या परंपरा को सिर्फ इसलिए चुपचाप नहीं मान लेता क्योंकि वह किसी बुजुर्ग या प्राचीन व्यवस्था ने कही है। वह तर्क चाहता है, वह प्रमाण चाहता है, वह न्यायसंगत कारण चाहता है। डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं के इस खोजी स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की है। उन्होंने माना कि आज की पीढ़ी बिना डरे सीधे सवाल पूछता है और पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों से भागने या नाराज होने के बजाय उनके तार्किक और संतोषजनक जवाब दें।

यह दृष्टिकोण संघ की पारंपरिक छवि से अलग और प्रगतिशील है। संघ प्रमुख का यह मानना कि समस्याओं या असंतोष का समाधान 'बल' या 'उपेक्षा' से नहीं हो सकता, आज के समय की सबसे बड़ी नीतिगत जरूरत है। जब छात्र किसी नीति पर अपनी चिंताएं जताते हैं, तो प्रशासन या समाज को उनके साथ एक 'मेंटर' की तरह व्यवहार करना चाहिए, न कि किसी क्रूर शासक की तरह। उनके तर्कों को संवेदनशीलता से सुनना और उनकी आशंकाओं को दूर करना ही उनके असंतोष को शांत करने का एकमात्र सर्वमान्य उपाय है।

आज का भारतीय समाज वैचारिक रूप से अत्यधिक ध्रुवीकृत है। दक्षिणपंथ और वामपंथ के बीच की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि मध्यमार्ग गायब सा दिखता है। ऐसे माहौल में संघ प्रमुख का यह बयान एक पुल का काम करता है। यह संदेश उन युवाओं तक भी एक सकारात्मक प्रतिध्वनि के रूप में पहुंचता है जो संघ को हमेशा एक अत्यंत पुरातनपंथी संस्था के रूप में देखते आए हैं। जब वे देखते हैं कि संघ का सर्वोच्च नेता उनके विरोध करने के अधिकार और उनकी तार्किकता का सम्मान कर रहा है, तो वैचारिक कट्टरता की दीवारें कमजोर होती हैं ।

यह लेख इस बुनियादी सत्य को रेखांकित करता है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक विचारधारा के एकाधिकार से नहीं हो सकता। इसके लिए देश के हर युवा की ऊर्जा, उसकी स्वतंत्र सोच और उसके रचनात्मक विरोध की आवश्यकता है। संघ प्रमुख ने युवाओं को यह अहसास कराया है कि वे देश के भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सेदार हैं और राष्ट्र को उनके सहयोग की जरूरत है।

डॉ. भागवत का यह वक्तव्य जितना युवाओं के लिए मार्गदर्शक है, उससे कहीं अधिक यह देश की वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था, पुलिस तंत्र और राजनीतिक दलों के लिए एक गंभीर 'चेतावनी' की तरह है । पिछले कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्रों की मांगों को जिस तरह बलपूर्वक दबाया गया, संघ प्रमुख का यह बयान उन प्रशासनिक नीतियों पर एक परोक्ष प्रहार है ।

यदि प्रशासनिक तंत्र युवाओं को केवल एक 'कानून-व्यवस्था' की समस्या के रूप में देखता रहेगा, तो हम अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का कभी लाभ नहीं उठा पाएंगे। विश्वविद्यालयों को पुलिस छावनी बनाने के बजाय उन्हें स्वतंत्र विचार-विमर्श का केंद्र बनाना होगा। जब तक युवाओं को यह विश्वास नहीं होगा कि उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जा रहा है, तब तक सड़कों का असंतोष पूरी तरह शांत नहीं हो सकता। प्रशासन को अपनी पुरानी मानसिकता को छोड़कर युवाओं के साथ मित्रवत व्यवहार करना होगा।

डॉ. मोहन भागवत का यह संदेश केवल 'जेन-जी' के लिए प्रेरणा नहीं है, बल्कि पुरानी पीढ़ी, राजनीतिक दलों और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए एक 'वेक-अप कॉल' है । हमें युवाओं को एक समस्या के रूप में देखना बंद करना होगा; वे वास्तव में देश की समस्याओं का सबसे आधुनिक समाधान हैं। युवा आबादी की ऊर्जा को दबाने के बजाय उसे सही दिशा देना ही समझदारी है। यदि भारत को सचमुच एक वैश्विक शक्ति, ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था और 'विश्वगुरु' बनना है, तो हमें अपनी युवा आबादी की इस ऊर्जा, उनकी बेबाकी और उनकी तार्किकता को सहेजना होगा। संघ प्रमुख ने इस दिशा में संवाद का हाथ बढ़ाकर एक बड़ी पहल की है। अब वास्तविक जिम्मेदारी सरकार, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की है कि वे युवाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण को बदलें। 'जेन-जी' पर किया गया यह भरोसा ही आने वाले कल के समृद्ध, सशक्त, समावेशी और लोकतांत्रिक भारत की नींव बनेगा ।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

बिरसा मुंडा की खंडित प्रतिमा की जगह नई मूर्ति स्थापित, दो दिन पहले बदमाशों ने तोड़ी थी, जयस ने दोषियों पर की कार्रवाई की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● ग्राम कुड़दिगपुरा में आदिवासी वीर क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा की खंडित प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कर दी गई है। दो दिन पहले असामाजिक तत्वों ने इस प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया था। जयस संगठन की मांग पर पुलिस प्रशासन ने यह कदम उठाया है। प्रतिमा खंडित होने के बाद जयस संगठन ने नई प्रतिमा लगाने की मांग की थी। इसके बाद एसपी सचिन शर्मा, एडिशनल एसपी विजय द्वार और एसडीओपी सुनील गुप्ता ने जयस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पुलिस प्रशासन द्वारा नई मूर्ति स्थापित करने का निर्णय लिया गया। शुक्रवार को जयस के प्रदेश अध्यक्ष अंतिम मुझाल्दा और कार्यकर्ताओं ने नई प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुलिस प्रशासन का आभार जताया। 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस से ठीक पहले नई प्रतिमा स्थापित होने से आदिवासी समाज में खुशी का माहौल है।जयस प्रदेश अध्यक्ष अंतिम मुझाल्दा ने बताया कि जिला पुलिस कप्तान के निर्देश और अधिकारियों के सहयोग से नई प्रतिमा लगाई गई है। जयस संगठन ने मांग की है कि प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने वाले दोषियों को चिन्हित कर जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और कड़ी कार्रवाई की जाए।

मंडी शुल्क बढ़ाने के विरोध में उतरे व्यापारी, सरकार से फैसला वापस लेने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कृषि उपज मंडियों में मंडी शुल्क 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत करने का विरोध तेज हो गया है। मंगलवार को खंडवा में व्यापार एवं उद्योग कांग्रेस ने पुरानी अनाज मंडी कार्यालय पहुंचकर मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मंडी शुल्क में 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि मंडी शुल्क बढ़ने से व्यापारियों की लागत बढ़ेगी। इसका असर किसानों और आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा। संगठन का कहना है कि इस फैसले से मध्यप्रदेश की मंडियां पड़ोसी राज्यों की मंडियों की तुलना में प्रतिस्पर्धा में कमजोर हो सकती हैं। इससे व्यापार प्रभावित होने की आशंका है।

व्यापार एवं उद्योग कांग्रेस के खंडवा शहर अध्यक्ष संदीप सोनी ने कहा कि संगठन व्यापारियों और उद्योग से जुड़े मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिए काम करेगा। उन्होंने बताया कि यह संगठन का पहला सामूहिक कार्यक्रम था, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने सरकार से मंडी शुल्क बढ़ाने का फैसला वापस लेकर पहले की व्यवस्था लागू करने की मांग की। कार्यक्रम में शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी और नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने व्यापारियों की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे फैसले नहीं लेने चाहिए, जिनका असर व्यापार, कृषि और आम लोगों पर पड़े। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'देश का कल्चर-एग्रीकल्चर' के नारे भी लगाए।

बीएनएसए-जीबीसी के वार्षिक अधिवेशन में ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया की गरिमामयी सहभागिता

अमेरिका के सैन जोस में गूंजा भारतीय ब्राह्मण समाज का स्वर

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया के प्रांतीय महासचिव ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव उत्तम तिवारी ने अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया राज्य के सैन जोस शहर में आयोजित ब्राह्मण समाज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीएनएसए) एवं ग्लोबल ब्राह्मण कॉन्फ्रेंस (जीबीसी) के प्रतिष्ठित वार्षिक अधिवेशन में सहभागिता कर भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विश्व के विभिन्न देशों से आए ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लेकर वैश्विक स्तर पर समाज की भूमिका, संगठन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर व्यापक विचार-विमर्श किया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में फ्रीमोंट के महापौर डॉ. राज सलवान, अलामेडा काउंटी की कमिश्नर डॉ. सोनिया सलवान तथा रेडवुड सिटी के कमिश्नर एवं काउंसिल सदस्य क्रिस स्टरकेन की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा तथा ब्राह्मण समाज के सामाजिक एवं बौद्धिक योगदान की सराहना करते हुए वैश्विक स्तर

पर भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय महासचिव उत्तम तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्वभर में बसे ब्राह्मण समाज के लोग एक सशक्त मंच पर संगठित होकर शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक सेवा और युवा पीढ़ी के मार्गदर्शन के लिए समन्वित प्रयास करें। उन्होंने भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा समाज के बीच पारस्परिक सहयोग और संवाद को और मजबूत करने पर बल दिया।

त्रिपाठी ने बताया सम्मेलन के दौरान सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, वैदिक परंपराओं के संवर्धन, युवा नेतृत्व के विकास, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सेवा कार्यों के विस्तार तथा विश्वभर में ब्राह्मण समाज के संगठन को मजबूत बनाने जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए भविष्य में संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर भारतीय एवं अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने पर भी सहमति बनी। सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि भौगोलिक दूरियां चाहे जितनी भी हों, भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और सामाजिक मूल्यों के माध्यम से विश्वभर का ब्राह्मण समाज एक सूत्र में बंधा हुआ है। ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव उत्तम तिवारी की इस अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में सहभागिता को संगठन के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे भारत और प्रवासी भारतीय ब्राह्मण समाज के बीच संवाद, सहयोग एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है।

आदिवासी छात्रों के आंदोलन के बाद बीईओ का प्रभार बदला, जातीय भेदभाव शिकायतों पर मचा विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● तिरला स्थित शासकीय सांदीपनी हाई सेकेंडरी स्कूल में आदिवासी छात्र-छात्राओं के आंदोलन के बाद जनजातीय कार्य विभाग ने प्रशासनिक कार्रवाई की है। प्रभारी प्राचार्य सीमा मिश्रा को विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) तिरला के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। यह आदेश 6 अगस्त 2026 को जारी हुआ। उनकी जगह शैलेन्द्र त्रिवेदी, उच्च माध्यमिक शिक्षक, शासकीय उमावि आहूं को अस्थायी रूप से बीईओ का दायित्व सौंपा गया है। इस मामले की शुरुआत तब हुई जब शासकीय सांदीपनी हाई सेकेंडरी स्कूल के 11वीं और 12वीं कक्षा के आदिवासी छात्रों ने रसायन शास्त्र शिक्षिका दीपिका शक्तावत पर गंभीर आरोप लगाए। छात्रों ने उन पर जातिगत भेदभाव, मानसिक प्रताड़ना और अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया है। छात्रों के अनुसार, पिछले लगभग एक वर्ष से उनके साथ कथित तौर पर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा था। छात्रों ने कई बार लिखित शिकायतें दी थीं और 20 जुलाई को अभिभावकों ने भी आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 28 जुलाई को बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं लगभग 8 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने शिक्षिका को हटाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। छात्रों ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य पारुल जैन को सौंपे ज्ञापन में प्रभारी प्राचार्य सीमा मिश्रा और संबंधित बीईओ पर भी आरोप लगाए। इन आरोपों में शिकायतों की अनदेखी, छात्रों को डराना-धमकाना और छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं में अनियमितताएं शामिल थीं।

कांवड़ यात्राः 30 श्रद्धालुओं ने ज्योतिर्लिंग में जलाभिषेक किया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● 30 श्रद्धालुओं के एक दल ने तीन दिवसीय पैदल कांवड़ यात्रा पूरी की। यह दल शुक्रवार को ओंकारेश्वर पहुंचा और भगवान ओंकारेश्वर तथा ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में जलाभिषेक किया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण 15 वर्षीय कनक रहा, जिसने इतनी कम उम्र में 120 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। श्रद्धालु अलका रघुवंशी ने बताया कि दल ने प्रतिदिन लगभग 40 किलोमीटर की दूरी तय की। रास्ते में थकान और कठिनाइयों के बावजूद सभी श्रद्धालु 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे। यात्रा के दौरान भोजन और रात्रि विश्राम की व्यवस्था साथ लेकर की गई थी।

शुक्रवार सुबह किया जलाभिषेक

शुक्रवार सुबह 8:30 बजे ओंकारेश्वर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा का पवित्र जल अर्पित कर विधि-विधान से जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना भी की। कक्षा सातवीं में पढ़ने वाले 15 वर्षीय कनक का उत्साह पूरे दल के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहा। इतनी कम उम्र में लगभग 120 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा पूरी करना अन्य श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय रहा।

एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं मोहित

नई दिल्ली (एजेंसी) • युवा खिलाड़ी एचएस मोहित को एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए दूसरे गोलकीपर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मोहित इससे बेहद उत्साहित है क्योंकि उनका भारतीय टीम से खेलने का सपना पूरा होने जा रहा है। एफआईएच विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा भारतीय टीम के पहले गोलकीपर रहेंगे। सूरज से इस टूर्नामेंट में मोहित को काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा। युवा मोहित ने पिछले कुठछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में इस खिलाड़ी ने काफी अच्छी गोलकीपिंग कर कई गोल बचाये थे। मोहित ने जूनियर विश्व कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया इसके बाद उन्हे सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह जगह मिली है।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में मोहित ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं। मोहित ने भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी. आर. श्रीजेश से मिली सीख को भी याद किया। उन्होंने कहा, हमने उनसे काफी कुछ सीखा है पर जिस प्रकार का दबाव उनपर रहता था वैसा हमपर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। मैरो भी प्रयास अब अपनी ओर से सौ फीसदी योगदान देना रहेगा। भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है। टीम की तैयारियों पर मोहित ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा, नीदरलैंड और जर्मनी को हराने के बाद हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

पिछले 10 माह मेरे लिए बेहद कठिन रहेः नीरज

नई दिल्ली (एजेंसी) • राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतने वाले शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का कहना है कि पिछले कुछ समय में उन्हें फिटनेस से जुड़े मामलों को लेकर काफी मुश्किलों से जूझना पड़ा है। नीरज के अनुसार बीते 10 माह मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और इस दौरान मुझे ऐसा समय भी देखना पड़ा जैसा पहले कभी नहीं देखा था और न ही उसकी कल्पना की थी। ऐसे में राष्ट्रमण्डल में जीता पदक वापसी की ओर बढ़ते कदम हैं। नीरज के अनुसार वह जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे। उनके फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया कठिन थी। चोटों के कारण उनका सत्र देर से शुरू हुआ, जिससे उन्हें कई प्रतियोगिताओं से दूर रहना पड़ा। हालांकि, वह बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही लय हासिल करने में सफल रहे।। सोशल मीडिया में राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा करते हुए नीरज ने अपने अनुभवों को बताय। उन्होंने लिखा, कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने आगे कहा, कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना काफी मुश्किल था। मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था जिसके लिए हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी, और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था। इन मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी वापसी को सफल बनाया। अपनी वापसी में मदद करने वाले सहयोगी दल और परिवार के प्रति नीरज ने गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस स्तर पर दोबारा प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब कुछ अकेले संभव नहीं था। मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बनाए रखा। उन्होंने विशेष रूप से अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी को धन्यवाद दिया।

तनुश्री ने अनजाने में मॉडलिंग की दुनिया में रखा था कदम

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म उद्योग में ऐसे कई सितारे हैं, जिनका सफर किसी योजना के तहत शुरू नहीं होता। बंगाली सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने अनजाने में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे अभिनय, लोकप्रियता तथा यहां तक कि राजनीति के अखाड़े तक का एक अप्रत्याशित मार्ग तय किया। अपनी सहज सुंदरता, प्रभावशाली अभिनय और विशिष्ट शैली के लिए जानी जाने वाली तनुश्री का शुरुआती दौर बेहद साधारण था, जहां उन्हें खुद इस क्षेत्र की बारीकियों का कोई ज्ञान नहीं था। पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उन्हें मॉडलिंग का अवसर मिला, तो वह इस पेशे की जटिलताओं से पूरी तरह अपरिचित थीं। एक साक्षात्कार में तनुश्री ने बताया था कि शुरुआती दिनों में उन्हें मॉडलिंग के काम और इसकी वास्तविक दुनिया के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। धीरे-धीरे उन्होंने इस क्षेत्र को समझा और अपनी मेहनत से कई विज्ञापनों में जगह बनाई।

खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में वापसी कर रही रुबीना

मुंबई (एजेंसी) • छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक अपने जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद अब खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में अपनी वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि मां बनने के बाद इस एडवेंचर रियलिटी शो में लौटना उनके लिए शारीरिक रूप से बेहद मुश्किल रहा। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के बाद उनके शरीर में कई महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं, और उन्हें लगा कि शायद उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मुझे पहले ही स्टंट में यह एहसास हो गया था कि मुझे और अधिक मजबूत बनने के लिए शायद चार-पांच साल और इंतजार करके फिर वापस आना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि इस शो में केवल शारीरिक रूप से मजबूत होना ही मायने नहीं रखता, बल्कि मानसिक दृढ़ता (मेंटल रेजिलिएस) कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। स्टेट के दौरान उन्हें यह अच्छी तरह समझ आ गया कि अब या फिर कभी नहीं, क्योंकि दृढ़ता, मानसिक स्थिरता और समय, कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने की हिम्मत अंदर से ही आती है, न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, मेरे अंदर के मजबूत माइंडसेट ने मुझे शारीरिक सीमाओं के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की। तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं वास्तव में मजबूत थी।

उज्जैन संभाग

पहले सोमवार को महाकाल मंदिर में 6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्रावण-भादो मास की शुरुआत के साथ ही बाबा महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। 30 जुलाई से 6 अगस्त तक 8 दिनों में 29 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर समिति को लड्डू प्रसाद बिक्री से 2 करोड़ 35 लाख रुपए से अधिक की आय हुई। महाकाल मंदिर में इन 8 दिनों में सबसे ज्यादा श्रद्धालु श्रावण के पहले सोमवार (3 अगस्त) को पहुंचे। इस दिन 6 लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। इसके अलावा रविवार को 4 लाख 76 हजार और शनिवार को 4 लाख 19 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ लड्डू प्रसाद की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई। 30 जुलाई से 6 अगस्त के बीच कुल 497.439 क्विंटल लड्डू प्रसाद बिका। इससे महाकाल मंदिर समिति को 2 करोड़ 35 लाख 26 हजार 650 रुपए की आय प्राप्त हुई। श्रावण के पहले सोमवार (3 अगस्त) को लड्डू प्रसाद की सबसे ज्यादा बिक्री हुई। इस दिन श्रद्धालुओं ने 77.36 क्विंटल लड्डू प्रसाद खरीदा। इससे मंदिर समिति को एक ही दिन में 36 लाख 70 हजार 800 रुपए की आय हुई।

शिप्रा आरती पर बवाल-पुरोहितों को पुलिस ने घाट से हटाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रामघाट पर रोजाना होने वाली शिप्रा आरती को लेकर शुक्रवार शाम प्रशासन और तीर्थ पुरोहित आमने-सामने आ गए। करीब 11 साल से शिप्रा किनारे पूजन-पाठ कराने वाले तीर्थ पुरोहित आरती कराते आ रहे हैं। अब महाकाल मंदिर समिति की ओर से बटुकों को आरती की जिम्मेदारी दिए जाने के बाद विवाद बढ़ गया। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे महाकाल मंदिर समिति के बटुक रामघाट पर आरती की तैयारी करने पहुंचे। जैसे ही घाट पर पाट बिछाने का काम शुरू हुआ, पंडा समिति के पुरोहितों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। विवाद की स्थिति को देखते हुए एसडीएम एलएन गर्ग, पवन बारिया और महाकाल थाना पुलिस का बल पहले से घाट पर मौजूद था। एसडीएम ने पुरोहितों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे आरती नहीं करने देने की बात पर अड़े रहे। करीब आधे घंटे तक विवाद की स्थिति बनी रही। इसके बाद पुलिस ने पुरोहितों को घाट से हटाया और महाकाल मंदिर समिति के बटुकों से आरती कराई।

पंडा समिति के राजेश त्रिवेदी ने कहा कि वर्ष 2015 से तीर्थ पुरोहित लगातार शिप्रा आरती कराते आ रहे हैं। पिछले वर्षों में आरती का स्वरूप बदला गया और इसे भव्य बनाया गया। ऐसे में 11 साल बाद अचानक महाकाल मंदिर समिति को इसकी जिम्मेदारी देना पुरोहितों को बाहर करने जैसा है। उन्होंने कहा कि तीर्थ पुरोहित हर हाल में शाम की आरती कराएंगे और महाकाल मंदिर समिति को आरती नहीं करने देंगे। उन्होंने प्रशासन से अपना काम और पुरोहितों को उनकी परंपरा के अनुसार आरती कराने देने की मांग की। शुक्रवार को बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहित रामघाट पर एकत्र हुए थे। उनका कहना था कि वे वर्षों से शाम को शिप्रा आरती कराते आ रहे हैं और आगे भी इसे जारी रखेंगे। प्रशासन और मंदिर समिति की ओर से पुरोहितों की जगह आरती कराने का प्रयास किए जाने पर विरोध शुरू हो गया। पुरोहितों का कहना था कि महाकाल मंदिर समिति को आरती की जिम्मेदारी देकर उन्हें परंपरा से अलग किया जा रहा है।

विक्रमादित्य यूनिवर्सिटी के एमबीए रिजल्ट में गड़बड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में रिजल्ट तैयार करने में गंभीर लापरवाही सामने आई है। हाल ही में जारी एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर के रिजल्ट में एक छात्रा को कुल 1600 में से 1604 अंक दे दिए गए। रिजल्ट में छात्रा का प्रतिशत भी 100.25% दर्ज हो गया। मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय ने रिजल्ट में सुधार कर नई मार्कशीट तैयार कराई है। इससे विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। मामला जून 2026 में हुई एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा का है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी रिजल्ट में छात्रा के चारों सेमेस्टर के ग्रैंड टोटल में 1600 में से 1604 अंक दर्ज थे। रिजल्ट के अनुसार छात्रा को प्रथम सेमेस्टर में 431, द्वितीय में 393, तृतीय में 398 और चतुर्थ सेमेस्टर में 382 अंक मिले थे। इनका कुल योग 1604 अंक होता है। इसके बावजूद ग्रैंड टोटल में अधिकतम अंक 1600 दर्ज कर दिए गए और प्रतिशत 100.25% प्रदर्शित होने लगा। रिजल्ट में गड़बड़ी सामने आने के बाद विश्वविद्यालय ने तत्काल इसमें सुधार किया। अब छात्रा की मार्कशीट में अधिकतम अंक 2100 और प्राप्तांक 1604 दर्ज किए गए हैं। यानी संशोधित परिणाम में छात्रा का प्रतिशत भी सही कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा ने बताया कि रिजल्ट तैयार करते समय लास्ट सेमेस्टर के मैक्सिमम मार्क्स ग्रैंड टोटल में ऐड नहीं हो पाए थे। इसी वजह से अधिकतम अंक 1600 दिखाई देने लगे, जबकि वास्तविक अधिकतम अंक 2100 थे। उन्होंने बताया कि रिजल्ट तैयार करने वाली एजेंसी से यह त्रुटि हुई थी। मामले में रिजल्ट को सुधार दिया गया है और संबंधित एजेंसी को चेतावनी भी जारी की गई है।

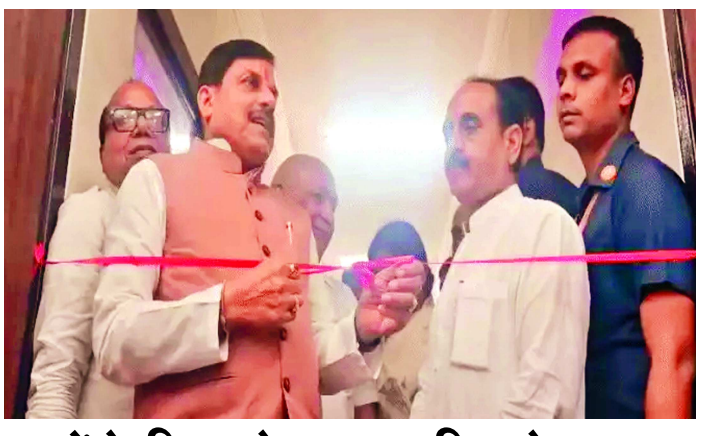

जजों के लिए बनेगा अत्याधुनिक गेस्ट हाउस सीएम और चीफ जस्टिस ने किया भूमिपूजन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन पहुंचे। सीएम सबसे पहले प्रशांति धाम के समीप स्थित नगर निगम भवन पहुंचे। यहां उन्होंने हथकरघा दिवस पर महिलाओं से मुलाकात की। इसके बाद मुख्यमंत्री उज्जैन के उद्यान मार्ग पर जजों के लिए बनने वाले गेस्ट हाउस के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत भी उज्जैन आए थे। सुप्रीम कोर्ट के जज विक्रम नाथ, हाईकोर्ट जस्टिस विवेक रूसिया, जस्टिस एससी शर्मा, विवेक अग्रवाल, संजीव सचदेवा सहित कई जज कार्यक्रम में शामिल हुए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत का स्वागत सीएम डॉ. मोहन यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इसके बाद कार्यक्रम स्थल पर पूजन-पाठ कर चीफ जस्टिस ने भूमि पूजन किया। 18.66 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले गेस्ट हाउस में 15 सुइट रूम, 4 वीआईपी रूम सहित 10 अलग-अलग कमरे होंगे। इसे 3,820 वर्गमीटर क्षेत्र में जी+2 मंजिला बनाया जाएगा।

बुनकरों और हितग्राहियों से मिले

गेस्ट हाउस के भूमिपूजन कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री प्रशांति धाम के समीप स्थित नगर निगम भवन पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय बुनकरों और अन्य हितग्राहियों से मुलाकात की। शुक्रवार को बाबा साहब नातू सामुदायिक भवन, प्रशांति धाम के पास, इंदौर रोड पर कौशल एवं तकनीकी विकास योजना के अंतर्गत 'हैण्डलूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया। इस अवसर पर उन्होंने सेंटर में उपस्थित महिलाओं से चर्चा कर हथकरघा उद्योग के बारे में जानकारी ली। प्रशिक्षण केंद्र पर डॉ. यादव ने चरखा भी चलाया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर के प्रथम तल पर निरंतर प्रशिक्षण का आयोजन किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके।

एबीवीपी का फीस वृद्धि, रिजल्ट गड़बड़ी पर प्रदर्शन, कुलपति के सामने की नारेबाजी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि और परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ियों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने बुधवार को लगभग एक घंटे तक प्रदर्शन किया। कुलपति कार्यालय के सामने कार्यकर्ताओं और छात्र-छात्राओं ने जमीन पर बैठकर नारेबाजी की और कुलपति के सामने अपनी मांगें रखीं। एबीवीपी ने विश्वविद्यालय द्वारा 14-15 हजार रुपये से बढ़ाकर करीब 30 हजार रुपये की गई फीस को वापस आधा करने की मांग की। इसके साथ ही, सप्लीमेंट्री और परीक्षा परिणामों में हुई गड़बड़ियों की जांच करने तथा छात्रों की समस्याओं का समाधान कॉलेज स्तर पर ही करने की मांग भी उठाई गई। विद्यार्थी परिषद का आरोप है कि कई कॉलेजों में बड़ी संख्या में छात्रों को सप्लीमेंट्री दी गई है। कुछ विद्यार्थियों के नंबर गलत दर्ज होने और प्रैक्टिकल के अंक नहीं जुड़ने जैसी शिकायतें भी सामने आई हैं। परिषद ने मांग की कि हर कॉलेज में एक टीम गठित की जाए। इस टीम में कॉलेज के प्रोफेसर और छात्र प्रतिनिधि शामिल हों, ताकि परिणामों से जुड़ी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो सके। एबीवीपी ने नई शिक्षा नीति और ग्रेडिंग सिस्टम को लेकर छात्रों को जागरूक करने की भी मांग की। परिषद का कहना है कि कई छात्रों को यह स्पष्ट नहीं है कि मार्कशीट में 'जीरो' का क्या अर्थ है। इसलिए विश्वविद्यालय को कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।

अमिताभ बच्चन जिस गोवर्धन घी की करते हैं ब्रांडिंग, वो जांच में निकला अनसेफ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र की पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड कंपनी के गोवर्धन ब्रांड के घी की बिक्री पर रोक लगा दी है। इंदौर में पराग मिल्क फूड्स के गोवर्धन घी की बिक्री पर रोक। इसका प्रचार अमिताभ बच्चन द्वारा केबीसी में होता था।

इंदौर में दूध व दूध से निर्मित खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए चल रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई हुई है। इसके तहत मप्र में बाहरी राज्यों से आ रहे उत्पादों को जांचा जा रहा है। हाल ही में मप्र में कई जगह से घी के कुछ सैंपल लिए गए। इसमें महाराष्ट्र पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड कंपनी के गोवर्धन ब्रांड के घी के सैंपल भी अन्य जगह फैल हुए। इसके बाद पूरे प्रदेश में खाद्य आयुक्त मप्र ने सैंपल लेकर जांच करने के आदेश दिए थे। इसी के तहत कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम ने इंदौर में बड़ी कार्रवाई महाराष्ट्र की कंपनी पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड के गोवर्धन ब्रांड से बिकने वाले घी पर की है।

कौन बनेगा करोड़पति में होता था प्रमोशन

गोवर्धन घी बनाने वाली पराग मिल्क फूड्स कंपनी KBC की बड़ी स्पॉन्सर रही है। अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति शो में इस घी का प्रमोशन करते थे। उन्होंने साल 2022 के KBC सीजन 14 से इसकी शुरुआत की थी। इसके बाद यह ब्रांड लगातार सीजन 15 (2023), सीजन 16 (2024), और सीजन 17 (2025) में आधिकारिक स्पॉन्सर के रूप में बना रहा। शो के दौरान अमिताभ बच्चन अपने खास अंदाज में इसका नाम लेते थे।

जांच में मिले हैं हानिकारक तत्व-द सूत्र को खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मप्र में अन्य जगह से गोवर्धन घी के लिए गए थे। यह सैंपल जांच में अनसेफ (स्वास्थय के लिए असुरक्षित) पाए गए। इनमें कुछ हानिकारक तत्व, अधिक फैटी एसिड पाए गए हैं। इसके बाद पूरे प्रदेश में इस घी के सैंपल लेकर जांच के आदेश हुए हैं।

यहां की गई कार्रवाई-खाद्य सुरक्षा विभाग इंदौर की टीम ने गुरुवार को ए.बी. रोड स्थित पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड के डिपो पर जांच की। जांच के दौरान वहां पुणे (महाराष्ट्र) की कंपनी द्वारा बनाए गए गोवर्धन ब्रांड घी का स्टॉक रखा मिला। उसकी बिक्री भी की जा रही थी। यह कंपनी का डिपो है, जहां से पूरे मध्य प्रदेश में गोवर्धन घी की सप्लाई होती है।

पटवारियों की हड़ताल खत्म, भोपाल में मांगों पर हुई बात, तीन माह में काम करेगी सरकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश में पटवारियों की हड़ताल खत्म हो गई है। भोपाल में पटवारी संघ के साथ अधिकारियों की हुई बैठक में कुछ बातों पर सहमति बनी है। इसके बाद हड़ताल को तीन माह के लिए स्थगित किया गया है। शुक्रवार से पटवारी काम पर लौटेंगे।

मप्र में पटवारियों की हड़ताल खत्म हो गई है। विविध मांगों को लेकर यह हड़ताल पर थे, जिससे राजस्व काम ठप हो गया था। भोपाल में गुरुवार को विविध मांगों को लेकर राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार, प्रभारी कमिश्नर लैंड रिकॉर्ड अजय देव शर्मा व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज परिहार व अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

अधिकारियों ने बताया, यह मांग पूरी कर दी-राजस्व विभाग ने बताया कि पुलिस में एफआईआर दर्ज होने से पहले मामले की जांच और समीक्षा करने के आदेश जारी किए जा चुके हैं।

इसके अलावा दूसरे भत्तों के भुगतान को लेकर भी निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को जारी ईएसबी कैलेंडर में नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा कराने का आदेश भी जारी कर दिया गया है।

नई भर्ती और 100 फीसदी वेतन पर भी बात-संघ ने नए पटवारियों की विभागीय परीक्षा और 70, 80 व 90 प्रतिशत वेतन व्यवस्था को लेकर भी अपनी बात रखी। अधिकारियों ने इन मांगों पर जल्द समाधान निकालने का भरोसा दिया है। साथ ही हड़ताल के दौरान की अवधि को कार्य अवधि मानकर वेतन देने के लिए भी आदेश जारी करने का आश्वासन दिया गया है।

एमपी पटवारी संघ ने कहा कि अधिकारियों ने उनकी मांगों को गंभीरता से लिया है। संघ के प्रांताध्यक्ष ने जिला अध्यक्षों की सहमति से हड़ताल को अगले तीन महीने के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। अब सभी पटवारी शुक्रवार से अपने काम पर वापस लौट जाएंगे। प्रदेश के 23 हजार पटवारी अपनी मांगों को लेकर जुलाई से आंदोलन कर रहे थे।

कैडर रिव्यू के लिए यह करेंगे

संघ की सबसे बड़ी मांगों में से एक कैडर रिव्यू लागू करना था। इस पर सरकार ने बताया कि इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी। इसमें वित्त विभाग, राजस्व विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग के एसीएस शामिल होंगे। कमेटी की रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले पटवारी संघ अपने सुझाव और आपत्तियां दे सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया को 90 दिनों के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इंदौर हाईकोर्ट का अहम फैसला

व्हाट्सएप मैसेज भी अब माना जाएगा मृत्युपूर्व कथन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र इंदौर हाईकोर्ट ने एक आदिवासी युवक के सुसाइड केस में अहम फैसला दिया। इसमें मोबाइल पर आए वाट्सअप मैसेज को भी मृत्युपूर्व कथन (मृत्यु के समय दिया जाने वाला बयान) की तरह मान्य किया है। धार निवासी संतोष उर्फ लखन औसारी ने सुसाइड कर लिया था। आरोप था कि करण जाट, धर्मेंद्र जाट, उमेश जाट उसे कृषि भूमि को लेकर परेशान कर रहे थे। वह जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इसी से परेशान होकर औसारी ने आत्महत्या कर ली। इसके पहले उसने पिता को तीन मैसेज किए थे। इसे अब हाईकोर्ट इंदौर ने अहम माना है।

हाईकोर्ट ने यह दिया फैसला-इंदौर हाईकोर्ट जस्टिस जय कुमार पिल्लई ने धार के विशेष न्यायालय के 27 जुलाई के आदेश को यथावत रखते हुए जमानत याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने औसारी द्वारा मृत्यु से पहले पिता को वाट्सएप पर भेजे गए तीन मैसेज को अहम माना। कोर्ट ने इन्हें महत्वपूर्ण साक्ष्य माना है। हाई कोर्ट ने कहा कि यह इलेक्ट्रानिक सबूत एक महत्वपूर्ण प्रथमदृष्टया 'मृत्युपूर्व कथन' है। इसमें आरोपियों के नाम लिए गए हैं।

आरोपियों ने यह दी थी दलील-इधर आरोपियों ने पक्ष रखा था कि उनका औसारी की आत्महत्या से कोई संबंध नहीं था। उन्हें पुरानी दुश्मनी की वजह से मामले में फंसाया गया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने कहा कि औसारी ने अपनी मौत से पहले भेजे गए वाट्सएप मैसेज में आरोपितों का नाम लिया था।

क्या होता है मृत्यु पूर्व कथन-मत्यु पूर्व कथन वह मौखिक या लिखित बयान है जो कोई व्यक्ति अपनी मृत्यु से ठीक पहले अपनी मौत के कारणों या उससे जुड़ी परिस्थितियों के बारे में देता है। यह इस कानूनी सिद्धांत पर आधारित है कि मरने वाला व्यक्ति आमतौर पर झूठ नहीं बोलता है। भारतीय साक्ष्य कानून (अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 26(1), के तहत इसे अदालत में सबूत के रूप में स्वीकार किया जाता है।

चूहाकांड के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था खुले में रखा खाना बढ़ा रहा है खतरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवाय में चूहाकांड के बाद प्रशासन ने बड़े-बड़े दावे किए थे। बाहरी भोजन पर प्रतिबंध लगाया गया, निगरानी बढ़ाने और स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने की बात कही गई, लेकिन ताजा तस्वीरों ने इन दावों की पोल खोल दी है। कैंसर अस्पताल परिसर के गेट पर खुले में रखे खाद्य पदार्थ साफ दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर प्रतिबंध का पालन कौन करा रहा है?

गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवजात शिशुओं को चूहों द्वारा काटे जाने की घटनाओं ने एमवाय अस्पताल की व्यवस्थाओं को राष्ट्रीय स्तर पर कटघरे में खड़ा कर दिया था। घटना के बाद प्रशासन ने पेस्ट कंट्रोल अभियान चलाने, वार्डों की निगरानी बढ़ाने और परिसर में भोजन वितरण पर रोक लगाने जैसे कई फैसले लिए थे। उस समय दावा किया गया था कि अस्पताल परिसर में ऐसी कोई गतिविधि नहीं होने दी जाएगी, जिससे चूहों और अन्य जानवरों को आकर्षण मिले। इसके बावजूद अस्पताल परिसर में खुले में रखा भोजन प्रशासनिक दावों की हकीकत उजागर कर रहा है। खुले में रखी खाद्य सामग्री चूहों, बिल्लियों और अन्य जानवरों को आकर्षित करती है, जिससे संक्रमण फैलने और स्वच्छता व्यवस्था बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब भोजन वितरण और बाहरी खाद्य सामग्री पर प्रतिबंध लागू है तो फिर यह सामान अस्पताल परिसर तक पहुंच कैसे रहा है और जिम्मेदार अधिकारी इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे?

एमवाय अस्पताल में प्रतिबंध सिर्फ कागजों तक ही सीमित

मरीजों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

रोजाना हजारों मरीजों और उनके परिजनों की आवाजाही वाले अस्पताल में इस तरह की लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। चूहाकांड के बाद सख्ती के दावे जरूर किए गए, लेकिन तस्वीरें बता रही हैं कि जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं अब भी ढीली हैं। मरीजों की सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण और स्वच्छता को लेकर अस्पताल प्रबंधन की जवाबदेही एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो पुराने विवाद फिर नए सिरे से चर्चा का विषय बन सकते हैं।

भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्यारी- सज्जन वर्मा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन सज्जन सिंह वर्मा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में लोकतंत्र को कुचलने और विपक्ष की आवाज़ दबाने के लिए सरकारी तंत्र का खुला दुरुपयोग किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, उनके भाइयो,परिजनों, सहयोगियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमों, पुलिस कार्रवाई और सुनियोजित मीडिया ट्रायल के माध्यम से प्रताड़ित किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और राजनीतिक मर्यादाओं पर सीधा हमला है।

सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा कांग्रेस नेताओं पर झूठे लांछन लगाकर जनता का ध्यान अपनी विफलताओं से भटकाना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ती जनस्वीकार्यता और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उनके संघर्ष से घबराकर भाजपा ने उनके भाइयों और परिजनों को निशाना बनाया है। सत्ता के संरक्षण में चलाया जा रहा मीडिया ट्रायल उनकी राजनीतिक छवि धूमिल करने का सुनियोजित प्रयास है।

डीएवीवी के नए परीक्षा पैटर्न ने खोली तैयारी की पोल

हिंदी-अंग्रेजी में दो हजार से ज्यादा छात्र हुए फेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत लागू नए परीक्षा पैटर्न का पहला बड़ा असर सामने आया है। बीए और बीएससी प्रथम वर्ष के 2 हजार से अधिक छात्र अनिवार्य हिंदी और अंग्रेजी विषयों में फेल हो गए हैं। इसके चलते दोनों पाठ्यक्रमों का संयुक्त परीक्षा परिणाम करीब 40 प्रतिशत तक सिमट गया है।

विश्वविद्यालय के अनुसार इस वर्ष करीब 13 हजार विद्यार्थियों ने प्रथम वर्ष की परीक्षा दी थी। नए अध्यादेश 14-1 के तहत पहली बार 70 अंक की थ्योरी और 30 अंक के आंतरिक मूल्यांकन की व्यवस्था खत्म कर 100 अंक की एकल थ्योरी परीक्षा लागू की गई। छात्रों को पास होने के लिए सीधे थ्योरी में 35 अंक लाना अनिवार्य था। आंतरिक मूल्यांकन के अंक नहीं मिलने से बड़ी संख्या में विद्यार्थी पॉसिग मार्क्स भी हासिल नहीं कर सके।

कॉलेज में अध्यापन की गुणवत्ता पर उठे सवाल-विश्वविद्यालय अधिकारियों का मानना है कि परिणामों ने विशेष रूप से भाषा विषयों में छात्रों की सीखने की कमजोरियों को उजागर किया है। हिंदी और अंग्रेजी के अलावा भारत बोध, मल्टीडिसिप्लिनरी और व्यावसायिक विषयों में भी करीब 10 प्रतिशत विद्यार्थी असफल रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इसी परीक्षा प्रणाली के तहत बीकॉम प्रथम वर्ष का परिणाम लगभग 75 प्रतिशत रहा, जिससे बीए और बीएससी विद्यार्थियों की शैक्षणिक तैयारी तथा कॉलेजों में अध्यापन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशेष तिवारी ने बताया कि हिंदी और अंग्रेजी में बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने के बाद संबद्ध कॉलेजों से इन विषयों की कक्षाओं, अध्यापन पद्धति और विद्यार्थियों की उपस्थिति संबंधी जानकारी मांगी गई है। विवि अब परिणामों की समीक्षा कर सुधारात्मक कदम उठाएगा।

दो महीने बाद हो रही कार्यपरिषद, वह भी ऑनलाइन, सदस्यों ने जताई आपत्ति

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक पर विवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक को 10 अगस्त को ऑनलाइन करवाने के फैसले पर विवाद खड़ा हो गया है। लगभग 2 माह बाद हो रही बैठक में कई नए पाठ्यक्रम और अहम प्रशासनिक फैसले एजेंडे में हैं। कार्यपरिषद सदस्य डॉ. एके द्विवेदी सहित कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए ऑफलाइन बैठक जरूरी है।

ऑनलाइन में सिर्फ औपचारिकता, चर्चा नहीं हो पाती: विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यपरिषद की बैठक 10 अगस्त को सुबह साढ़े 11 बजे ऑनलाइन आयोजित करने की सूचना जारी की है। इस निर्णय पर कार्यपरिषद के कुछ सदस्यों ने नाराजगी जताई है। उनका तर्क है कि लगभग 2 माह से कार्यपरिषद की बैठक नहीं हुई है। इस बीच विश्वविद्यालय में कई नए पाठ्यक्रम शुरू करने और अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिए गए हैं। ऑनलाइन में सिर्फ औपचारिकता होती है, चर्चा नहीं हो पाती। कार्यपरिषद सदस्य डॉ. द्विवेदी ने कहा, 3 वर्षों में मैं सभी कार्यपरिषद् बैठकों में नियमित रहा हूं। कार्यपरिषद के सामने जनहित और शैक्षणिक विषय आते हैं। आमने-सामने चर्चा से ही सर्वसम्मति वाले प्रभावी निर्णय हो पाते हैं। ऑनलाइन बैठक में विस्तृत विमर्श की गुंजाइश कम रह जाती है।

ऑफलाइन बैठक की मांग : डॉ. द्विवेदी ने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया है कि एजेंडे की गंभीरता को देखते हुए बैठक को ऑफलाइन आयोजित करने पर पुनर्विचार किया जाए। ताकि सभी सदस्य अपने सुझाव और विचार विस्तार से रख सकें और विश्वविद्यालय के हित में बेहतर फैसले लिए जा सकें। दरअसल एनईपी लागू होने के बाद डीएवीवी में कई नए पाठ्यक्रम और अध्यादेश लागू हुए हैं, जिन पर कार्यपरिषद की मंजूरी जरूरी है। ऐसे में सदस्यों का मानना है कि ऑनलाइन की बजाय प्रत्यक्ष बैठक ज्यादा उपयुक्त रहेगी।

ब्लैकलिस्ट ठेकेदार मामले में हाईकोर्ट मप्र की लार्जर बैंच का अहम आदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की एक ठेकेदार फर्म को मात्र 60 लाख के ठेके के दौरान ब्लैकलिस्ट करने का मामला हाईकोर्ट मप्र की संवैधानिक (लार्जर) बैंच में पहुंच गया था। इसमें लंबी सुनवाईयों के बाद बैंच ने 262 पन्नों का आदेश जारी किया है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की लार्जर बेंच ने ठेकेदारों और कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने से जुड़े मामलों में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने 4-1 के बहुमत से स्पष्ट किया कि ब्लैकलिस्टिंग केवल ठेके का विवाद नहीं, बल्कि एक प्रशासनिक कार्रवाई है। इसलिए इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। आज लार्जर बैंच ने इंदौर हाईकोर्ट में इसका आदेश सुनाया। इस बैंच ने सुनवाई भी इंदौर में ही की थी, क्योंकि केस इंदौर का था।

2020 में नगर निगम ने किया था ठेका रद्द -इंदौर नगर निगम ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-21 स्थित अमरापुरी में सीसी रोड बनाने का ठेका नितिन इंटरप्राइजेस को दिया था। यह ठेका करीब 60 लाख रुपए का था। नवंबर 2020 में नगर निगम ने ठेका रद्द कर दिया। निगम का कहना था कि सांवेर विधानसभा उपचुनाव के दौरान आचार संहिता लागू थी। इसके बावजूद ठेकेदार ने निर्माण कार्य किया और अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया। नितिन लोदवाल ने अधिवक्ता अमित मिश्रा के माध्यम से इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

भवनों पर निगम ने लगाए चेतावनी वाले फ्लेक्स

फ्लेक्स पर लिखा यह भवन अग्नि सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित नहीं है, जनसुरक्षा की दृष्टि से निगम की सख्त कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के विभिन्न वाणिज्यिक, संस्थागत एवं बहुमंजिला भवनों का अग्नि सुरक्षा मानकों के संबंध में व्यापक निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अनेक भवनों में आवश्यक अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। ऐसी स्थिति में इन भवनों में आगजनी जैसी अप्रिय घटना होने पर जन-धन की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

जोखिम से बचाने चेतावनी-आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार नगर निगम इंदौर द्वारा जनहित एवं सार्वजनिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपर आयुक्त प्रखर सिंह द्वारा ऐसे भवनों के बाहर चेतावनी स्वरूप फ्लेक्स, बैनर लगाए गए हैं। इन फ्लेक्स, बैनरों पर स्पष्ट रूप से अंकित किया गया है कि संबंधित भवन अग्नि सुरक्षा की दृष्टि से असुरक्षित है। नगर निगम द्वारा की गई यह कार्रवाई आम नागरिकों को संभावित जोखिम के प्रति जागरूक करने तथा किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को कम करने के उद्देश्य से की गई है।

यहां लगाए गए चेतावनी के फ्लेक्स

आड़ा बाजार, गेमिंग जोन द्रविड़ नगर, होटल रीगल रीजेंसी, प्रकृति कॉर्पोरेट आशा ड्रेसेस, अनमोल हॉस्पिटल, पर्पल यूनाइटेड किड्स, पिज्जा हट 27, बृजेश्वरी, फर्स्टक्राई, लिटिल मिलेनियम, द्रोणाचार्य जिम, द गेमिंग जंक्शन, एलीट पिक बॉल, ऑप्टिमम बिल्डिंग, लवकुश अपार्टमेंट, केरलीय समाजम पब्लिक स्कूल, गर्ल्स हॉस्टल, पारसी मोहल्ला, 25, सादगी भवन, स्कीम-94 इसके अतिरिक्त अन्य ऐसे भवनों एवं प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई की जा रही है, जहां अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन निर्धारित स्तर पर नहीं पाया गया है। नगर निगम द्वारा संबंधित भवन स्वामियों एवं संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे शीघ्र आवश्यक अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप स्थापित करें तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवश्यक अनुपालन सुनिश्चित करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।